● वर्ष : 17 ● अंक : 131 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 28 फरवरी 2026

राष्ट्रीय बजट अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज नहीं, नीतिगत रोडमैप : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बजट का आकलन उसके प्रत्यक्ष लाभ या प्रभाव से नहीं बल्कि इसमें निहित नीतिगत प्रयासों से होना चाहिए। असल में राष्ट्रीय बजट कोई अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज़ नहीं होता है। यह एक नीतिगत रोडमैप होता है। ऐसे में बजट की प्रभावशीलता का आंकलन ठोस पैरामीटर्स पर किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री आज वीडियो कांफ्रेंसिंग से बजट बाद वेबिनार- "विकसित भारत के लिए टेक्नोलॉजी, सुधार और फाइनेंस" को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट को ढांचागत सुविधाओं के विस्तार, धन प्रवाह, जीवन जीने में आसानी, पारदर्शिता के साथ शासन और लोगों के लिए नए-नए अवसर बनाने की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश रिफोर्म एक्सप्रेस पर सवार है। इस प्रवाह को बनाए रखने के लिए हमें नीतिगत मंशा और उससे हासिल उपलब्धि पर भी फोकस करना है। उन्होंने कहा कि हमें एआई, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स का व्यापक उपयोग कर पारदर्शिता, गति और जवाबदेही बढ़ानी ही होगी और साथ ही शिकायत निवारण प्रणालियों से प्रभाव की निरंतर निगरानी भी करनी होगी। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को सरकार के ढांचागत सुविधाओं में निवेश का लभा उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में ढांचागत सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट 2 लाख करोड़ से बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। इतने बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश निजी क्षेत्र के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि उद्योग और वित्तीय संस्थान भी नई ऊर्जा के साथ आगे आएं। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि परियोजनाओं की मंजूरी और मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूत करना जरूरी है, ताकि समय और पैसा बर्बाद न हो। लागत-लाभ और पूरी अवधि की लागत पर ध्यान देना चाहिए।

एनसीईआरटी किताब में न्यायिक भ्रष्टाचार को लेकर पीएम मोदी ने जताई सख्त नाराजगी

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) की कक्षा 8वीं की किताब में न्यायिक भ्रष्टाचार पर अध्याय शामिल किए जाने का मामला अब सरकार और न्यायपालिका के बीच भारी तनाव का कारण बन गया है। सूत्रों के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी ने इस पूरे प्रकरण पर गहरी नाराजगी जताई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की एक सुनियोजित साजिश करार देते हुए केंद्र सरकार को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने इस विवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए पूछा है कि आखिर इन किताबों की समीक्षा कौन कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के बाद शिक्षा मंत्रालय में हड़कंप मच गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और वादा किया है कि इस कंटेंट को तैयार करने वाले और इसे अनुमति देने वाले सभी लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। बता दें सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई के दौरान बेहद सख्त टिप्पणी की। जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि अध्याय तैयार करने वाले दो व्यक्तियों को मंत्रालय से हटा दिया गया है, तो कोर्ट ने इसे बहुत हल्की कार्रवाई बताया। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने गोली चला दी है और आज न्यायपालिका लहूलुहान है। न्यायाधीशों का मनोबल गिर गया है और समाज में इस पर चर्चा हो रही है। यह केवल छात्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों तक भी पहुंचेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कक्षा 8वीं की इस सोशल साइंस की किताब पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि पुस्तक की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त किया जाए। सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से इस कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। शिक्षा मंत्रालय ने आईटी मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को पत्र लिखकर इसे इंटरनेट से हटाने का निर्देश दिया है। एनसीईआरटी की पुस्तक के अध्याय-4 में न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियों का वर्णन करते हुए भ्रष्टाचार का उल्लेख किया गया था। कोर्ट का तर्क है कि पुस्तक में न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों और निष्क्रियता को तो प्रमुखता से दिखाया गया, लेकिन संवैधानिक नैतिकता, बुनियादी ढांचे के सिद्धांत और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में न्यायपालिका की ऐतिहासिक भूमिका को नजरअंदाज कर दिया गया। सीजेआई ने कहा कि संस्थान के प्रमुख के रूप में मुझे यह पता लगाना होगा कि इसके पीछे कौन लोग हैं। जिम्मेदार लोगों पर गाज गिरेगी।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

शांति से डिगती दुनिया पहुंची युद्ध के मुहाने पर

आज का वैश्विक परिदृश्य अस्थिरता और संघर्ष के संकटों से जूझता हुआ नजर आ रहा है। रुस और यूक्रेन के बीच लगातार जारी तनाव, इजराइल और हमास के बीच गाजा में संघर्ष, सीरिया संघर्ष, ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका, और अब पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के बीच सीमा पर सैन्य टकराव ने स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर लगातार बढ़ते तनाव ने स्थिति को सीधे सैन्य संघर्ष में तब्दील कर दिया है। वैसे पाकिस्तान इन दिनों अशांति के चरम दौर से गुजर रहा है, ऐसे में उसका अफगानिस्तान से सीधा टक्कर लेना किसी बड़े झमेले में फंसने से कम नहीं है। तालिबान पर तरह-तरह के आरोप लगाकर एयरस्ट्राइक कर अपनी पीठ थपथपाने के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है वह न सिर्फ चिंता में डालने वाली है बल्कि इंसानियत के नाते भयावह भी है। दरअसल पाकिस्तान को जवाब देते हुए अफगान सेना ने दावा किया है कि पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर 55 सैनिकों को मार गिराया और कई को बंदी बना लिया गया है।

वहीं पाकिस्तान ने काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमले कर 130 से अधिक अफगान लड़ाकों को ढेर करने का दावा किया है। इससे पहले अफगानिस्तान कह चुका है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है, जिसमें मौतें भी हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक' के तहत तालिबान ठिकानों और चौकियों पर बमबारी की, जबकि अफगान प्रवक्ता ने पाकिस्तानी चौकियों और ब्रिगेड मुख्यालयों को निशाना बनाने का दावा किया। इस सैन्य संघर्ष में आम नागरिकों की जान पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है। शरणार्थी शिविरों पर मिसाइल हमलों से महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों घायल और मृत हुए हैं।

दरअसल इस पूरे विवाद की जड़ 2,611 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन है, जिसे अफगानिस्तान कभी मान्यता नहीं देता। टीटीपी की गतिविधियाँ और मध्यस्थता के टूटने से सीमा पर हालात और नाजुक हो गए हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान द्वारा भारत को इस संघर्ष में घसीटने की कोशिश ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान को भारत का 'प्रॉक्सी' करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि कई विश्लेषक इसे आंतरिक असफलताओं और सीमा पर नियंत्रण खोने का ध्यान भटकाने वाला कदम मान रहे हैं। दक्षिण एशिया में यह तनाव वैश्विक शांति के लिए भी चिंता का विषय है। अगर यह संघर्ष और बढ़ा, तो क्षेत्रीय अस्थिरता और मानवीय संकट गहरा सकता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच टकराव न केवल स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि वैश्विक तेल, वाणिज्य और निवेश पर भी असर डाल सकता है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है भारत की सीमा से लगे अधिकांश देशों में हिंसा बढ़ी है, जेन-जी क्रांति ने नेपाल और ढाका में तो सत्ता पलटने का काम भी किया है, ऐसे में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का संघर्ष वाकई बड़ी चिंता पैदा करने वाला है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता में हिली धरती, लोग घर और आफिस से बाहर भागे

कोलकाता। कोलकाता में भूकंप के झटके लगे। यह भूकंप दोपहर 1:22 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता काफी ज्यादा बताई जा रही है। शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया है कि रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.9 मापी गई। एक कार्यक्रम में केंद्रीय मेंत्री सुकांत मजूमदार मंच पर थे। तभी भूकंप का उन्हें झटका लगा। वह स्तब्ध रह गए। भूकंप के झटके भारत समेत बांग्लादेश में भी महसूस किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को कोलकाता और आस-पास के इलाकों में 5.0 मैग्नीट्यूड के भूकंप के झटके लगे। भूकंप का सेंटर बांग्लादेश में खुलना से 26 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.9 बताई गई है। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर भूकंप के झटकों का काफी ज्यादा तीव्रता से महसूस किया गया। दिन में आए भूकंप से लोग दहशत में आ गए। कोलकाता में ऊंची बिल्डिंग से लोग बाहर निकल आए। घरों में दीवारों और छत से टंगी चीजें हिलने लगीं। ऑफिसों में इस वक्त पर ज्यादा लोग लंच की तैयारी में थे। तभी भूकंप के झटकों ने उन्हें डरा दिया। लोग नीचे और खुली जगह की तरफ भागे। बता दें पिछले दो महीने में यह तीसरी बार है कि कोलकाता में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

अयप्पा स्वामी मंदिर स्वर्ण चोरी प्रकरण पर कांग्रेस की चुप्पी के खिलाफ भाजपा केरल युवा मोर्चा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केरल युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में शुक्रवार को कांग्रेस नेतृत्व की कथित चुप्पी के विरोध में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के आवास के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला श्री भगवान स्वामी शरणम अयप्पा मंदिर से जुड़े कथित स्वर्ण चोरी प्रकरण को लेकर आयोजित किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने किया। इस दौरान उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग उठाई। उनके साथ भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल और केरल युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनु प्रसाद सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि मंदिरों की संपत्ति करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यदि मंदिर के स्वर्ण आभूषणों या संपत्ति में किसी प्रकार की अनियमितता या चोरी हुई है तो यह आस्था के साथ विश्वासघात है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस गंभीर मामले पर कांग्रेस की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है। ठाकुर ने मांग की कि प्रकरण की केन्द्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) से उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच कराई जाए और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए तथा दोषियों के खिलाफ शीघ्र और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

आबकारी नीति मामले में बरी होते ही केजरीवाल बोले- सत्य की हुई जीत

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपितों को बरी कर दिया है। अदालत के फैसले के बाद अरविंद केजरीवाल पत्रकारों से संबोधित करते हुए भावुक हो गए और कहा कि सत्य की जीत हुई है। उन्होंने कहा, "मैं भ्रष्ट नहीं हूं। अदालत ने कहा है कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ईमानदार हैं। सिसोदिया ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें एक बार फिर अपने संविधान और बीआर अंबेडकर पर गर्व है, जिन्होंने हमें ऐसा संविधान दिया। सत्य की एक बार फिर जीत हुई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सच की हमेशा जीत होती है। 'आआपा' सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली की अदालत द्वारा शराब घोटाले मामले में बरी कर दिया गया है। अदालत के इस फैसले ने सच्चाई को सबके सामने ला दिया है। समय के साथ बाकी सभी मामलों की सच्चाई भी सामने आ जाएगी। आआपा सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कहा कि अदालत ने हमारे नेताओं को बरी कर दिया, ये साबित हो गया की देश की सत्ता पर एक खतरनाक षड्यंत्रकारी राज कर रहा है।

काबुल सहित कई जगहों पर पाकिस्तान के हवाई हमले, अफगानों का कई पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर सैनिकों को मारने का दावा

एजेंसी। इस्लामाबाद

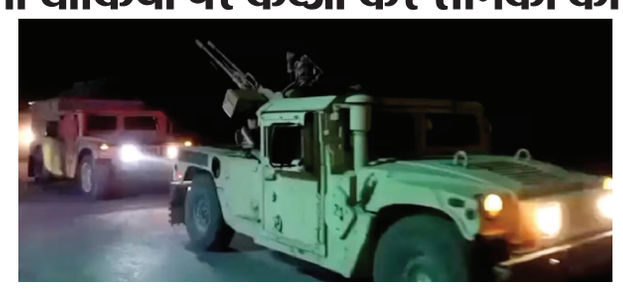

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दशकों से चला आ रहा सीमा विवाद शुक्रवार को बड़े सैन्य संघर्ष में बदल गया है।पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए काबुल और कंधार पर बमबारी की है।इससे पहले अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए सीमा पर हमले तेज कर बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है। दोनों तरफ से बमबारी हो रही है। पाकिस्तान की तरफ से पिछले सप्ताह किए गए हवाई हमलों का जवाब देते हुए अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात जवाबी कार्रवाई कर दावा किया कि उसने डूरंड लाइन पर करीब 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। इसके बाद पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' शुरू कर शुक्रवार तड़के काबुल, कंधार और पक्तिया में तालिबान के रक्षा ठिकानों पर बमबारी की। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए कहा कि अब पाकिस्तान का धैर्य जवाब दे गया है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पोस्ट में कहा, 'कायर पाकिस्तानी सेना ने काबुल, कंधार और पक्तिया के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए हैं लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान के हमले की निंदा की है।उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, 'पाकिस्तानी विमानों ने एक बार फिर काबुल, कंधार और पक्तिया पर बमबारी की। अफगानिस्तानी लोग हर हाल में पूरी एकता के साथ अपनी प्यारी मातृभूमि की रक्षा करेंगे और आक्रामकता का साहस से जवाब देंगे। पाकिस्तान हिंसा और बमबारी से खुद को मुक्त नहीं कर सकता- ये समस्याएं उसने खुद पैदा की हैं लेकिन उसे अपनी नीति बदलनी होगी और अफगानिस्तान के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध, सम्मान और सभ्य संबंधों का मार्ग चुनना होगा।'

अफगानिस्तान का पलटवार : टोलो न्यूज ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के बयान के हवाले से बताया है कि सेना प्रमुख फसीहुद्दीन फितरत के आदेश पर डूरंड रेखा के पास पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर अफगान बलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई गुरुवार रात 12:00 बजे समाप्त हो गई। इस अभियान में पाकिस्तानी सेना के 55 सैनिक मारे गए।

पेसा ग्रामसभाओं के अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का वनवासी कल्याण आश्रम ने किया स्वागत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम ने उच्चतम न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय इलाकों में ईसाई मिशनरियों के प्रवेश पर ग्रामसभाओं द्वारा लगाए गए बोर्डों को वैध ठहराया गया है। उच्चतम न्यायालय ने विगत 16 फरवरी को अपने फैसले में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा था कि लालच या धोखाधड़ी के माध्यम से धर्मांतरण पर रोक के उद्देश्य से लगाए गए होर्डिंग्स को असंवैधानिक नहीं माना जा सकता। उच्च न्यायालय ने अपने पूर्व आदेश में टिप्पणी की थी कि प्रलोभन और हेरफेर के जरिए जनजातीय आबादी के धर्मांतरण की आशंकाओं को देखते हुए ग्रामसभाओं द्वारा उठाए गए कदमों को अवैध नहीं ठहराया जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल्ड एरियाज (पेसा) कानून के तहत ग्रामसभाओं को अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा का पूर्ण अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि ग्रामसभाएं केवल औपचारिक संस्थाएं नहीं, बल्कि वास्तविक स्वशासन की इकाइयां हैं, जिन्हें अनुसूचित क्षेत्रों में विशेष संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है।

ईडी के घर कुर्क करने के बाद अब सीबीआई ने अनिल अंबानी पर किया नया केस दर्ज

यह मामला बैंक आफ बड़ोदा के 2,220 करोड़ से ज्यादा के लोन की अनियमितता से जुड़ा

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। ईडी ने मुंबई स्थित उनके घर 'एबोड' को कुर्क किए जाने के बाद अब सीबीआई ने भी उनके खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया है। यह मामला बैंक आफ बड़ोदा से जुड़े 2,220 करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन अनियमितता से जुड़ा है। सीबीआई ने यह कार्रवाई बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत के आधार पर की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोप है कि 2013 से 2017 के बीच रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा लिए गए कर्ज का इस्तेमाल स्वीकृत उद्देश्यों से अलग किया गया, जिससे बैंक को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने अंबानी के आवास और कंपनी के रजिस्टर्ड कार्यालयों पर तलाशी अभियान चलाया, जहां से कई अहम दस्तावेज जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। शिकायत के मुताबिक आरकॉम और उससे जुड़ी कंपनियों ने बैंकों व वित्तीय संस्थानों से कुल 31,580 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। आरोप है कि इस राशि का एक हिस्सा अन्य बैंकों के कर्ज चुकाने, संबंधित पक्षों को भुगतान करने और अस्थायी निवेश में लगाया गया।

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन, खेल जगत में शोक की लहर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का ग्रेटर नोएडा स्थित यथार्थ अस्पताल में शुक्रवार सुबह 4.36 बजे निधन हो गया। वह 60 वर्ष के थे और लिवर कैंसर से पीड़ित थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया के मुताबिक पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए चेन्नई से रिंकू सिंह टीम कैंप छोड़कर घर लौट गए हैं। देवजीत सैकिया ने रिंकू सिंह के पिता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड इस कठिन समय में रिंकू और उनके परिवार के साथ खड़ा है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा कि क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू सिंह और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने लिखा कि यह खबर दिल तोड़ने वाली है और ऐसे समय में शब्द पर्याप्त नहीं होते, लेकिन पूरा क्रिकेट समुदाय रिंकू और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि यह रिंकू और उनके परिवार के लिए बेहद कठिन समय है और उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति व परिवार को साहस देने की प्रार्थना की। पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपने संदेश में कहा, "रिंकू, आपके पिता के निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। उन्होंने कई त्याग कर एक मजबूत और बेहतरीन बेटे का पालन-पोषण किया, यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

स्वतंत्रता सेनानी "कुमाऊँ केसरी" पं.बद्रीदत्त पांडे

— डॉ.जया शुक्ला

श्री बद्रीदत्त पांडे जी का जन्म सन् 1882 को 15 फ़रवरी को उत्तराखंड में हरिद्वार के कनखल में हुआ था। दुर्भाग्य से उनकी मात्र सात वर्ष की छोटी आयु में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया। उनका परिवार मूलतः अल्मोड़ा का रहनेवाला था। अतः वह अल्मोड़ा ले आए गए। उनकी शिक्षा अल्मोड़ा में हुई। 1903 में उन्होंने नैनीताल के एक स्कूल में शिक्षण कार्य प्रारंभ किया। कुछ ही समय बाद देहरादून में उनकी सरकारी नौकरी लग गई। किन्तु बद्रीदत्त पांडे जी के मन में तो छोटी आयु से ही पीड़ा थी कि देश ग़ुलाम है, और इस सरकारी नौकरी के मालिक वही साम्राज्यवादी अंग्रेज़ थे। अतः जल्दी ही वह अंग्रेज़ों की सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे कर पत्रकारिता में आ गये। श्री पांडे ने देहरादून में "लीडर" अख़बार में 1903 से 1910 तक काम किया। लेखनी उनकी प्रबुद्ध और देश को समर्पित थी। अधिक मुखर हो पाने के लिए उन्होंने 1913 से "अल्मोड़ा अख़बार" का प्रकाशन तथा सम्पादन प्रारंभ किया, जिसके द्वारा वह स्वातंत्र्य आंदोलन को गति देने लगे। इससे नाराज़ अंग्रेज अफसरों ने बीच बीच में कई बार इस अखबार के प्रकाशन पर रोक लगाई थी। "अल्मोड़ा अखबार" को ही उन्होंने "शक्ति" अखबार का रूप दिया। यह अख़बार साप्ताहिक के रूप में अभी तक लगातार प्रकाशित होता रहा है। श्री बद्रीदत्त पांडे सामाजिक तथा स्वतंत्रता के आंदोलनों में सदा सकृय रहे। 1921 के "कुली बेगार प्रथा" के विरुद्ध आंदोलन में बद्रीदत्त पांडे जी की भूमिका को हमेशा याद किया जाता है।उन्हें "कुमाऊं केसरी" / "कुर्मांचल केसरी" की उपाधि से भी नवाजा गया। 1921 में उनकी प्रथम जेल यात्रा एक वर्ष के लिये हुई। फिर न तो उनकी स्वातंत्र्य आंदोलन में भागीदारी रुकी, न उनकी जेल यात्राएँ रुकीं। वह 1930 में 18 माह, 1932 में एक साल, 1941 में तीन माह जेल में रहे। स्वतंत्रता सेनानियों का तो जेल ही घर के समान होता था। 1942 के "भारत छोड़ो" आंदोलन में भी उन्हें पुनः जेल भेजा गया। स्वतंत्रता मिलने के बाद भी अल्मोड़ा में रहकर वह सामाजिक कार्यों में सकृयता से हिस्सा लेते रहे। 1957 में दूसरी लोकसभा के लिए हुए चुनाव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री हरगोविंद पंत चुने गए, लेकिन कुछ ही माह में उनका निधन हो गया। इसके बाद सितंबर 1957 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने श्री बद्रीदत्त पांडे को प्रत्याशी बनाया और वह विजयी होकर सांसद बने। सांसद के रूप में क्षेत्र के लिये किये गए उनके कार्यों को लोग याद करते हैं। श्री बद्रीदत्त पांडे बहुत बेबाक तथा स्वाभिमानी माने जाते थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को मिलने वाली पेंशन आदि का लाभ भी नहीं लिया। 1962 के चीन युद्ध के समय उन्होंने अपने सारे मेडल, पुरस्कार आदि सरकार को भेंट कर दिए। 13 जनवरी 1965 को पंडित बद्रीदत्त पाण्डेय जी का निधन हो गया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

एसरप्योर ने लॉन्च किए 7 नए स्प्लिट इन्वर्टर एसी; 7-इन-1 कन्वर्टिबल तकनीक और 'आइस ब्लास्ट' मोड के साथ मिलेगी जबरदस्त बचत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 50 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले एसर ग्रुप की कंपनी, एसरप्योर इंडिया ने आज राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अपनी लेटेस्ट 'एसरप्योर चिल नियो' स्प्लिट इन्वर्टर एसी सीरीज लॉन्च करने की घोषणा की। पिछले पांच दशकों से एसर अपनी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, विश्वसनीयता और अत्याधुनिक नवाचार के लिए वैश्विक स्तर पर जाना जाता रहा है। इसी भरोसे और विरासत को आगे बढ़ाते हुए, एसरप्योर अब अपने विस्तृत होते 'कंज्यूमर अप्लायंसेज' पोर्टफोलियो के जरिए भारतीय घरों में शानदार परफॉर्मेंस और स्मार्ट डिजाइन का अनुभव पेश कर रहा है। इस भव्य लॉन्च इवेंट के दौरान एसर इंडिया के चीफ बिजनेस ऑफिसर सुधीर गोयल, एसरप्योर इंडिया के डायरेक्टर वासुदेव जी, सेल्स हेड रोहित जुत्शी, एपीएसी कंज्यूमर बिजनेस हेड लियोनार्ड यांग, ग्रुप प्रोडक्ट हेड क्रिस जॉर्ज और प्रोडक्ट मैनेजर अभिरूप घोष सहित कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नई सीरीज में कुल सात मॉडल शामिल हैं:

1 टन – 3 स्टार
1 टन – 5 स्टार
1.5 टन – 3 स्टार (4800W)
1.5 टन – 3 स्टार (5100W)
1.5 टन – 5 स्टार
2.0 टन – 3 स्टार
2.0 टन – 5 स्टार

भीषण गर्मी में भी बेजोड़ कूलिंग-नियो सीरीज को खास तौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह 58°C जैसे अत्यधिक तापमान में भी प्रभावी कूलिंग दे सके। यह खूबी इसे भारतीय गर्मियों की तपिश के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। इन एसी में 100% कॉपर कंडेंसर और इवैपोरेटर कॉइल का उपयोग किया गया है, जो न केवल बेहतर हीट ट्रांसफर सुनिश्चित करते हैं बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहते हैं। कॉपर कॉइल अपनी मजबूती, जंग-रोधी क्षमता और आसान रखरखाव के लिए जानी जाती हैं, जो भारत की विविध जलवायु परिस्थितियों के लिए एकदम सही हैं। इसके साथ ही, इसमें एडवांस DOC सेंसर सिस्टम दिया गया है। यह सिस्टम यूनिट के भीतर तापमान की लगातार निगरानी करता है, जिससे एसी बिना किसी रुकावट के स्थिरता और भरोसे के साथ काम करता रहता है।

बिजली और पैसों की बचत का सही मेल-नियो सीरीज के नए मॉडल 2026 ISEER स्टार रेटिंग के कड़े मानकों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। ये मॉडल पिछले स्टार-रेटेड मॉडल्स की तुलना में कहीं अधिक ऊर्जा दक्ष हैं। नई रेंज न केवल बेहतर परफॉर्मेंस देती है, बल्कि बिजली की खपत को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में भी मदद करती है, जिसका सीधा और सकारात्मक असर उपभोक्ताओं के बिजली बिल पर पड़ता है।

'आइस ब्लास्ट' मोड: गर्मी से तुरंत राहत-नियो सीरीज की एक बड़ी खासियत इसका 'आइस ब्लास्ट' मोड है, जिसे सिर्फ एक बटन दबाकर सक्रिय किया जा सकता है। इसे ऑन करते ही एसी अपनी पूरी क्षमता और तेज फैन स्पीड पर काम करने लगता है, जिससे भीषण गर्मी के दौरान भी कमरा मिनटों में ठंडा हो जाता है।

योगेश सिंह ने 26वीं एग्जिबिशन ऑफ डॉक्टोरल रिसर्च का किया उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

तारेश सचदेवा | नई दिल्ली | दिल्ली विश्वविद्यालय की पुस्तकालय प्रणाली द्वारा 102वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में केंद्रीय पुस्तकालय में 26वीं "एग्जिबिशन ऑफ डॉक्टोरल रिसर्च" प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी 3 मार्च 2026 तक आमंत्रित अतिथियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की आत्मा उसका पुस्तकालय होता है और पुस्तकालय के बिना विश्वविद्यालय की कल्पना अधूरी है। उन्होंने इस आयोजन को शोध उत्कृष्टता, नवाचार और ज्ञान सृजन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उद्घाटन के पश्चात कुलपति ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न शोध ग्रंथों एवं डॉक्टोरल थीसिस का अवलोकन किया। साथ ही "University of Delhi: Doctoral Research" के डिजिटल संस्करण और ई-हैंडबुक का विमोचन भी किया गया, जो विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को डिजिटल माध्यम से व्यापक पहुंच प्रदान करेगा। अपने संबोधन में प्रो. सिंह ने कहा कि यह प्रदर्शनी समर्पण, उत्कृष्टता, धैर्य और अकादमिक प्रतिबद्धता का उत्सव है। उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय शोध और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जिसका प्रमाण विश्वविद्यालय का निरंतर बढ़ता एच-इंडेक्स है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नई शिक्षा व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को स्नातक स्तर से ही शोध कार्य करने के अवसर मिल रहे हैं। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम में शोध प्रबंध, अकादमिक परियोजनाएं, उद्यमिता, अनुवाद एवं उन्नत अध्ययन जैसे विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि लगभग 30 प्रतिशत विद्यार्थियों ने शोध-उन्मुख चौथे वर्ष का चयन किया है। कुलपति ने स्किल एनहांसमेंट कोर्सेज (SEC) और वैल्यू एडिशन कोर्सों को छात्र-केंद्रित पहल बताते हुए कहा कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, पेशेवर दक्षता और व्यावहारिक ज्ञान का विकास हो रहा है। केंद्रीय पुस्तकालय की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि पुस्तकालय प्रणाली शोधार्थियों को हजारों ई-जर्नल्स और लगभग दो लाख ई-पुस्तकों तक डिजिटल पहुंच प्रदान कर रही है, जिससे शोध कार्य को नई गति मिल रही है। यह प्रदर्शनी विश्वविद्यालय की शोध परंपरा और अकादमिक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है, जो विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रेरित करने के साथ-साथ ज्ञान के विस्तार में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

केरल का आपसी भाईचारा पूरे देश के लिए मिसाल, यही भारत की आत्मा- प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में विभिन्न कार्यक्रमों में की शिरकत

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली: कांग्रेस महासचिव और वायनाड से लोकसभा सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी ने कहा कि केरल का आपसी भाईचारा पूरे देश के लिए एक मिसाल है। कांग्रेस महासचिव शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कलिकावु सर्विस कोऑपरेटिव बैंक की कोऑपरेटिव लैबोरेटरी का उद्घाटन किया, थिरुवम्बाडी के कैथापोयिल में एमईएस फातिमा रहीम सेंट्रल स्कूल के सिल्वर जुबली समारोह का शुभारंभ किया और उसके मॉन्टेसरी ब्लॉक की नींव रखी। साथ ही उन्होंने नीलाम्बुर के कुम्बारा गांव का दौरा भी किया। पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि लोगों को अपनी बात रखने और अभिव्यक्त करने की पूरी आज़ादी मिलनी चाहिए। लेकिन वर्तमान समय में जिस तरह का माहौल बनता जा रहा है, जिसमें गुस्सा, कटुता और आपसी नफरत बढ़ रही है, ऐसे में रचनात्मक और सकारात्मक प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य होने चाहिए जो समाज में खुशी, शांति, प्रेम और जनकल्याण को बढ़ावा दें।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) ने आज स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में "आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म: सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य का विश्लेषण" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में नीति-निर्माताओं, विद्वानों, धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और भारत के सामाजिक-संस्कृतिक परिदृश्य में बौद्ध धर्म की विकसित भूमिका पर चर्चा की। इस अवसर पर माननीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू और माननीय राज्य मंत्री अल्पसंख्यक कार्य श्री जॉर्ज कुरियन उपस्थित थे। श्री शार्टसे खेनसुर रिनपोचे जंगचुप चोडेन, महासचिव, इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्फेडरेशन भी उपस्थित थे। वरिष्ठ अधिकारियों में एनसीएम की सचिव श्रीमती अलका उपाध्याय, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्र शेखर कुमार और एनसीएम के संयुक्त सचिव डॉ. अत्यानंद शामिल थे। अपने संबोधन में, श्री किरेन रिजिजू ने भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया, साथ ही अल्पसंख्यक समुदायों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर जोर दिया। श्री जॉर्ज कुरियन ने देश भर में बौद्धों के बीच सांस्कृतिक पहचान और शैक्षिक प्रगति को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में एक सार्थक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसका संचालन श्री नीरज कुमार, संयुक्त सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने किया। इस चर्चा में शामिल थे श्री टेस्टेन ताशी भूटिया, पूर्व मंत्री, सिक्किम; अचारीया श्री येशी फुंटसोक, महायान वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु, दिल्ली; श्रीमती जिग्मे यौद्रोन ल्हामो, प्रभारी, द्रुक ड्रिलबुरी ननरी, लाहौल, हिमाचल प्रदेश; श्री महेंद्र भन्ते, भदंत ज्ञानेश्वर बुद्ध विहार, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश; डॉ. मनीष सिन्हा, प्रोफेसर (पूर्व-विभागाध्यक्ष), इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया; और डॉ. संजीव कुमार एच.एम., प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

महाराष्ट्र टूरिज्म ने राजधानी दिल्ली में आयोजित रोड शो को दिल्ली ट्रैवल ट्रेड के साथ सफलतापूर्वक होस्ट किया

लोकतंत्र की शान

नईं दिल्ली. महाराष्ट्र सरकार के टूरिज्म डायरेक्टरेट ने शुक्रवार को नई दिल्ली के द्वारका में रेडिसन ब्लू होटल के ग्रैंड बॉलरूम में आयोजित महाराष्ट्र टूरिज्म रोड शो को सफलतापूर्वक होस्ट किया। इस इवेंट में दिल्ली ट्रैवल ट्रेड से बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया, साथ ही मीडिया के प्रतिनिधियों और ट्रैवल इन्फ्लुएंसर की भी अच्छी मौजूदगी रही। महाराष्ट्र के डेलीगेशन का नेतृत्व संतोष जाधव, (जॉइंट डायरेक्टर, डीओटी), चंद्रशेखर जायसवाल (जनरल मैनेजर, महाराष्ट्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमटीडीसी), विजय जाधव (डिप्टी डायरेक्टर, डीओटी) ने किया। इस डेलीगेशन ने राज्य के अलग-अलग तरह के टूरिज्म को दिखाने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए होटल मालिकों, टूर ऑपरेटरों, हेरिटेज साइट मैनेजरों, एडवेंचर प्रोवाइडर्स और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट एक्सपर्ट्स सहित कई खास टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स को एक साथ लाया। रंगारंग शाम की शुरुआत महाराष्ट्र की समृद्ध परंपराओं को दिखाने वाले शानदार कल्चरल परफॉर्मेंस के साथ हुई, जिसके बाद हेरिटेज, वाइल्डलाइफ, कोस्टल, स्पिरिचुअल और एक्सपीरिएंशियल सेगमेंट में राज्य के अलग-अलग तरह के टूरिज्म अनुभवों को हाईलाइट करने वाले प्रेजेंटेशन दिए गए। रोड शो में महाराष्ट्र के स्टेकहोल्डर्स और दिल्ली ट्रैवल ट्रेड के बीच फायदेमंद बीटूबी बातचीत भी हुई, जिससे अच्छे बिजनेस एंगेजमेंट को बढ़ावा मिला और इंडस्ट्री में पार्टनरशिप मजबूत हुई। प्रोग्राम का अंत नेटवर्किंग डिनर के साथ हुआ, जो लगातार बातचीत और रिश्ते बनाने के लिए एक बढ़िया प्लेटफॉर्म साबित हुआ।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने RuPay ऑन-द-गो कार्ड्स के लिए इंस्टैंट NFC-बेस्ड बैलेंस अपडेट लॉन्च किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने RuPay NCMC ऑन-द-गो कार्ड्स पर इंस्टैंट NFC-बेस्ड बैलेंस अपडेट फीचर पेश किया। अब ग्राहक अपने कार्ड का बैलेंस NFC पॉवर्ड एन्ड्रॉयड स्मार्टफोन पर कार्ड को टैप करके तुरंत चेक और अपडेट कर सकते हैं, जिससे मेट्रो स्टेशन के कियोस्क जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और एक सहज, पूरी तरह से डिजिटल यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा। यह फीचर एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने कुछ महीने पहले पेश करके इसके वास्तविक उपयोग की जानकारी एकत्रित की थी तथा ग्राहकों का फीडबैक लिया था। इस पायलट में ग्राहकों ने इसे बहुत पसंद किया तथा इसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इससे साबित हो गया कि यह फीचर यूज़र्स के लिए काफी दैनिक उपयोगिता रखता है। यूज़र्स का पॉज़िटिव फीडबैक मिलने के बाद अब बैंक इसे अपने RuPay ऑन-द-गो कार्ड्स के सभी यूज़र्स के लिए लॉन्च कर रहा है। इस सुविधा के साथ, यात्री एयरटेल थैंक्स ऐप पर अपने बैंक खाते या वॉलेट में लॉग इन करने के बाद, अपने लिंक किए गए NFC- इनेबल्ड एंड्रॉइड स्मार्टफोन पर कार्ड टैप करके अपने कार्ड बैलेंस को रियल टाइम में अपडेट या चेक कर सकते हैं। कार्ड ऑर्डर करने और रिचार्ज करने से लेकर बैलेंस को तुरंत अपडेट या चेक करने तक, पूरी प्रक्रिया अब पूरी तरह से डिजिटल, बिना कतार के और बेहद आसान है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर - बिज़नेस ऑपरेशंस, श्री गणेश अनंतनारायणन ने कहा, ''एयरटेल पेमेंट्स बैंक में हम निरंतर ऐसे इनोवेशन करने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, जो दैनिक लेन-देन को और ज्यादा आसान एवं इन्ट्यूटिव बना दे। हमारे पायलट फेज़ में मिली बेहतरीन प्रतिक्रिया से ऑन-द-गो रहते हुए तुरंत बैलेंस अपडेट होने की जरूरत प्रमाणित हो गई। इस लॉन्च के साथ हमें उद्योग का ऐसा पहला सॉल्यूशन पेश करने पर गर्व है, जो ग्राहकों की सुविधा भी बढ़ाएगा और भारत में डिजिटल पेमेंट एवं मोबिलिटी के परिवेश को मजबूत भी करेगा।'' एयरटेल पेमेंट्स बैंक RuPay ऑन-द-गो कार्ड्स के मुख्य जारीकर्ता बैंकों में से एक है।

होली के आगमन पर विद्योत्तमा फाउंडेशन दिल्ली शाखा ने किया काव्य गोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। द्वारका नई दिल्ली में विद्योत्तमा फाउंडेशन,नासिक के संस्थापक श्री सुबोध कुमार मिश्र के आगमन पर विद्योतमा फाउंडेशन दिल्ली शाखा ने एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।इसी आयोजन में तीन कृतियों का लोकार्पण भी हुआ।सरोजिनी तन्हा की पुस्तक "कृष्णम् वंदे जगद्गुरुम्", दीपमाला माहेश्वरी की कृति "सुनहरे पंख" तथा सत्यदेव तिवारी की पुस्तक "श्री राम नाम रामायण" का विधिवत विमोचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीमा मंजरी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ।इस सुन्दर काव्य गोष्ठी का प्रभावपूर्ण संचालन डॉ. वर्षा सिंह द्वारा किया गया।मीडिया प्रभारी प्रो. मनोज कुमार कैन की सक्रिय उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। काव्य गोष्ठी में कवियों ने विभिन्न विषयों—प्रभु-भक्ति, देशभक्ति,श्रृंगार,सामाजिक चेतना और मानवीय संवेदना से ओतप्रोत रचनाएँ प्रस्तुत कीं। सुबोध कुमार मिश्र ने "नई कोंपलें फूटेगी जब-जब, यह जीवन बसंती हो जाएगा जाएगा;सरोजिनी 'तनहा'ने "नज़र आते हैं यूँ तो ज़िन्दगी के सारे रंग इसमें, मगर रंगे अदावत में इसे जोड़ा नहीं जाता";पुष्पा सिंह ने "शहीदों की शहादत पे रखी जो हमने आज़ादी की नींव,उनके देखे सपनों का आज भारत कहाँ है"?;प्रदीप मिश्र "अजनबी" ने यदि मस्तिष्क सतर्क रहेगा, निश्चित घर ले जायेगा, किन्तु यंत्र जो फीड हुआ हो, उतना भर ले जायेगा। वर्षा सिंह ने"रंग प्यार का गहरा,बीत गई होली,पर रंग नहीं उतरा";सीमा मंजरी ने "पथ निहारत, डगर बुहारत बीती सुबह शाम,दर्शन दोगे कब तुम शबरी को राम";किरण मिश्रा कौशिक ने"जाति क्यों नहीं जाती,काँप उठा है हृदय धरा का,सुनकर पीड़ बेचारों की,हाय यह कैसी दयनीय दशा है,घृणित प्रथा के मारों की;दीपमाला माहेश्वरी ने"तन से सुन्दर स्त्री आकर्षण का केन्द्र बन जाए,नैनों को लुभाए,सबका हृदय रिझाए;पर मन की सुन्दरता जाने कौन-सोचो, क्या है ज़रूरी उसके प्रति दृष्टि या दृष्टिकोण'?;मनोज कुमार कैन ने "आजकल मचान पर नहीं बैठते हंस, बैठते हैं कौवे,करते हैं बार-बार कांव-कांव" आदि कविताओं का पाठ किया। यह आयोजन साहित्य, सम्मान और सौहार्द का सुंदर संगम सिद्ध हुआ।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सम्भल

पत्र संख्या: /756 नि0वि0/2025-26 **दिनांक :- 26.2.2026**

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित कार्य की ई- निविदा दिनांक 12.03.2026 को 01:00 PM बजे तक ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डालने से पूर्व निविदा के लिए न्यूनतम अर्हता हेतु निविदा की शर्तों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर ले।

क0 स0	नगर पालिका/ NPP Stage	ठेकेदार/Vendor Stage	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एंव समय
01.	Tender Release		28.02.2026 10 AM	
02.		Tender Download	28.02.2026 10 AM	
03.		Bid Submission	28.02.2026 10 AM	
04.	Close of Bid			12.03.2026 1PM
05.	Bid Openining			12.03.2026 2PM

वेबसाईड htt:// etender.up.nic.in पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्ते तथा बिंडिंग प्रपत्र ऑनलाइन देखे जा सकते है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद सम्भल

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सम्भल

संक्षिप्त समाचार

रमजान में दूसरे जुम्मे पर शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई जुम्मे की नमाज

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : शुक्रवार को रमजान के पवित्र महीने में दूसरे जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई बताते चले कि नगर के पुरानी जमा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों पर जुम्मे की नमाज अदा करने के लिए भारी संख्या में नवाजी समय पर पहुंचे और सभी ने नवाज अदा की, वही मस्जिदों के इमाम साहब ने नवाजियों से अपील करते हुए कहा कि रमजान के साथ-साथ होली का त्यौहार भी चल रहा है कृपया रंग खेल रहे लोगों से दूरी बनाकर चलें और यदि किसी पर धोखे से रंग पड़ जाए तो बुरा ना माने तथा घर जाकर कपड़े बदलकर नमाज पढ़ने के लिए आए और आपसी प्रेम भाईचारा बनाए रखें, उधर नगर पालिका द्वारा मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था एवं चूने का छिड़काव कराया गया, वहीं सुरक्षा की दृष्टि से भरी पुलिस बल मस्जिदों के आसपास मुस्तैद रहा।

उदयगिरि गोस्वामी तीसरी बार बने भाजपा जिला अध्यक्ष समर्थकों में खुशी की लहर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहा/ हसनपुरः उदयगिरि गोस्वामी अमरोहा जिले के तीसरी बार भाजपा जिला अध्यक्ष बने हैं। उनकी इस नियुक्ति को फिट इंडिया अभियान के तहत उनकी सक्रियता और जमीनी पकड़ का परिणाम माना जा रहा है। उदयगिरि गोस्वामी ने हाल के दिनों में नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' अभियान को पूरी प्रतिबद्धता के साथ अमरोहा जनपद में चलाया है,उदयगिरि गोस्वामी की इस नियुक्ति पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ रही है। वह पहले भी दो बार अमरोहा जिले के भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं और संगठन में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। उनकी इस नियुक्ति से भाजपा में युवाओं को संगठन से जोड़ने की दिशा में नए आयाम स्थापित करने की उम्मीद है, उदयगिरि गोस्वामी ने अपनी नियुक्ति के बाद कहा कि वह पार्टी के प्रति निष्ठा और संगठन के कार्यों में लगनशीलता से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर वर्ग का ध्यान रखकर योजनाएं बनाई जाती हैं और वह योजनाएं जनता तक पहुंचाई जाती हैं, वहीं उन्होंने कहा कि 2027 के आगामी चुनाव में फिर से भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

रंग एकादशी शोभा यात्रा का पालिका अध्यक्ष ने किया फीता काट कर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः शुक्रवार को नगर में रंग एकादशी शोभायात्रा बड़े धूमधाम के साथ निकाली गई जिसका शुभारंभ हसनपुर आदर्श नगर पालिका परिषद के लोकप्रिय अध्यक्ष राजपाल सैनी ने फीता काटकर किया, शोभायात्रा नगर के मोहल्ला कायस्थान गणेश चौक से प्रारंभ होकर मोहल्ला महल, मुख्य बाजार, रहरा रोड, पुराना डाकखाना, होली चौक से होती हुई वापस मोहल्ला कायस्थान हनुमान मंदिर के पास संपन्न हुई, शोभा यात्रा में बाहर से आए कलाकारों द्वारा डीजे पर डांडिया नृत्य एवं फूलों की होली आदि कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, वहीं बैंड बजे की धुन पर उपस्थित लोग झूमते नजर आए, शोभा यात्रा में जमकर अबीर गुलाल उड़ा होली के गीतों से वातावरण होली मय हो गया, वहीं नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई व्यवस्था एवं चूने का छिड़काव कराया गया उधर सुरक्षा की दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे, जुम्मे के चलते तथा रमजानों को लेकर पुलिस खासी सतर्क नजर आई, इस मौके पर मुख्य रूप से रंग एकादशी शोभायात्रा आयोजन मंडल के कुलभूषण सक्सेना, अतुल सक्सेना, कपिल भटनागर, मंकू सक्सेना, आयुष सक्सेना, दीपक सक्सेना, अजय सक्सेना, अर्पण सक्सेना, अंकित सक्सेना, तरुण कुमार, बंटी वर्मा एवं सभासद दीपक सिंह, सभासद राजपाल सैनी, सभासद निशु अग्रवाल आदि सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

होली के उपलक्ष में नारी शक्ति संगठन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : नगर की समाज सेवी संस्था नारी शक्ति संगठन द्वारा रंगों के त्यौहार होली के उपलक्ष में नगर के एक आम के बाग में होली उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, नारी शक्ति संगठन की शैफाली बबीता एवं स्वाती द्वारा संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम में विशेष योगदान दिया गया,जिसमें संगठन की महिलाओं ने एक दूसरे को रंग, गुलाल, अबीर लगाकर होली की बधाई थी, तथा पकवानों का आनंद लिया, वहीं इस मौके पर विभिन्न प्रकार के गेम खेले गए, जिसमें संगठन की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, लकी गेम में अंशु, सीमा, प्रीति, उमा विजेता रही, वहीं सरप्राइज गेम में दीपा, पूनम, अंजना, निर्मला विजेता रही, इसी प्रकार होली गेम में पंकज, सविता, अमिता और दूसरे गेम में प्रीति, रेखा, पारुल विजेता रही, इस मौके पर नारी शक्ति संगठन की अध्यक्षा डोली अग्रवाल ने कहा कि रंगों का त्योहार होली आपस में प्रेम बढ़ाने का कार्य करता है, होली पर आपसी मनमुटाव को भूलाकर सभी को एक दूसरे के साथ इस त्यौहार को मनाना चाहिए, वहीं उन्होंने कहा कि होली खेलते समय हमें केमिकल एवं पक्के रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए, सूखे तथा हर्बल रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए, इस मौके पर नारी शक्ति संगठन की कार्यकर्ताओं ने होली के गीत भी गए तथा एक दूसरे को बधाई दी, होली उत्सव कार्यक्रम में अध्यक्षा डोली अग्रवाल, महामंत्री शैफाली अग्रवाल, अर्चना गोयल, बबीता, स्वाति, रजनी, रचना, नेहा आरती, जया, उमा आदि संगठन की महिलाएं मौजूद रही।

अग्रवाल सभा हसनपुर द्वारा होली मिलन समारोह रविवार को

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः नगर की समाजसेवी संस्था अग्रवाल सभा हसनपुर संबद्ध (अग्रोहा) द्वारा नगर में अग्रवाल समाज के बंधुओ के साथ नगर की अग्रवाल धर्मशाला में 1 मार्च दिन रविवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें फूलों की होली विशेष उत्सव के तौर पर मनाई जाएगी वहीं बाहर से आए कलाकारों द्वारा होली के गीतों पर प्रस्तुति दी जाएगी, इस संबंध में अग्रवाल सभा के महामंत्री मुकेश गोयल ने बताया कि होली मिलन समारोह कार्यक्रम रविवार को नगर के मुख्य बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में श्याम 7 बजे से प्रारंभ होगा जो प्रभु इच्छा तक चलेगा, उन्होंने होली मिलन समारोह में अग्र बंधुओ से कार्यक्रम में समय से और अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का निवेदन किया है।

बिजनौर की ऐतिहासिक जीतः गंगा एक्सप्रेसवे अब अमरोहा-बिजनौर से होकर हरिद्वार जाएगा

- दिगंबर सिंह की अगुवाई में जन आंदोलन ने रूट बदल दिया
- बिजनौर 5 लाख पोस्टकार्ड, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अथक संघर्ष से बदला 594 किमी एक्सप्रेसवे का अलाइनमेंट; मुख्यमंत्री योगी की सहमति के बाद उत्तराखंड सरकार ने भी दी हरी झंडी

लोकतंत्र की शान

बिजनौर अमरोहाः वर्षों की मेहनत, जनता की एकजुट आवाज और चौधरी दिगंबर सिंह के नेतृत्व में चले जनआंदोलन ने आखिरकार रंग लाया। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने गंगा एक्सप्रेसवे का नया अलाइनमेंट फाइनल कर दिया है। अब यह महत्वाकांक्षी परियोजना अमरोहा-बिजनौर से होकर हरिद्वार तक विस्तारित होगी। विदुर कुटी बैराज के पास से निकलने वाला यह मार्ग बिजनौर जिले को बेहतर कनेक्टिविटी, उद्योग, रोजगार और पर्यटन के नए अवसर प्रदान करेगा। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों की आपसी सहमति से यह फैसला लिया गया है। पहले मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे मुख्य रूप से बन रहा था, लेकिन अब इसका विस्तार गंगा के दायीं ओर (राइट साइड) किया जाएगा, जिससे बिजनौर जिला सीधे लाभान्वित होगा। यूपीडा ने अमरोहा से हरिद्वार तक के नए मार्ग का अलाइनमेंट तैयार कर लिया है, जिसमें तिगरी घाट, विदुर कुटी, बालावाली और नांगल सोती जैसे क्षेत्र शामिल होंगे। इस सफलता का श्रेय मुख्य रूप से भाकियू (अराजनैतिक) के युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह को जाता है। उन्होंने कहा था, "हमारी डिक्शनरी में हार का शब्द नहीं है" – और उन्होंने साबित कर दिखाया। दिगंबर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की, विधानसभा तक मुद्दा पहुंचाया और जनता को संगठित किया।

उनके नेतृत्व में:

5 लाख से अधिक पोस्टकार्ड मुख्यमंत्री के नाम भेजे गए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपे गए – बुद्ध की अहिंसा और बिजनौरी परंपरा की तरह। डिजिटल अभियान चलाया गया, जिसमें एक घंटे में 14,700 से ज्यादा एक्स पोस्ट किए गए। रैलियां निकाली गईं, जिसमें बीन, सारंगी और ढोल की धुन पर किसान सड़कों पर उतरे। बिजनौर की जनता ने इस मुहिम में खुलकर भाग लिया। लाखों लोगों ने एकजुट होकर आवाज उठाई, जिससे सरकार पर दबाव बना। दिगंबर सिंह ने कहा, "यह जीत सिर्फ बिजनौर की नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति और एकता की है। अब विकास की नई लहर आएगी – शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के द्वार खुलेंगे।" पत्रकारों का योगदान भी सराहनीय रहा। स्थानीय और क्षेत्रीय मीडिया ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, खबरें प्रकाशित कीं और जनभावनाओं को सरकार तक पहुंचाया। बिना मीडिया की सक्रियता के यह जनआंदोलन इतनी तेजी से नहीं फैलता।

इस परियोजना से बिजनौर जिले को मिलने वाले फायदेः मेरठ-हरिद्वार की यात्रा आसान और तेज। उद्योगों की स्थापना से हजारों रोजगार। पर्यटन बढ़ेगा, खासकर विदुर कुटी और गंगा तट के क्षेत्रों में। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति। चौधरी दिगंबर सिंह ने सभी बिजनौर वासियों, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ शुरुआत है। अब हमें इस परियोजना के सही क्रियान्वयन पर नजर रखनी होगी।" बिजनौर की इस जीत से साबित होता है कि जब जनता एकजुट होकर शांतिपूर्ण तरीके से लड़ती है, तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। गंगा एक्सप्रेसवे अब बिजनौर से गुजरेगा – विकास की नई कहानी लिखेगा!

रहमत, मग़फ़िरत और इंसानियत- रमज़ान के दूसरे जुमा पर सिरसी शिया जुम्मा मस्जिद में रूहानी मंज़र

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/कस्बा सिरसी। रमज़ान उल मुबारक के दूसरे जुमा के मौके पर सिरसी शिया जुम्मा मस्जिद में बड़ी तादाद में अकीदतमंदों ने शिरकत की। मस्जिद में रूहानी माहौल देखने को मिला और नमाज़ियों ने खामोशी व एहतराम के साथ जुमा की नमाज़ अदा की। मस्जिद के इमाम मौलाना सैय्यद हसीन अख्तर ज़ैदी ने अपने ख़ुत्बे में कहा कि रमज़ान रहमत और मग़फ़िरत का महीना है, जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों के गुनाह माफ़ फरमाता है। उन्होंने मुसलमानों को नसीहत की कि इस पाक महीने में इबादत की पाबंदी करें, किसी का दिल न दुखाएं, किसी का माल न मारें और ज़ुल्म के खिलाफ आवाज़ बुलंद करें। साथ ही उन्होंने मुल्क के साथ वफ़ादारी और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करने पर जोर दिया। मौलाना ने कहा कि रमज़ान इंसान को सब्र, तक़वा और इंसानियत का दर्स देता है। अगर हम इस महीने की तालीमात पर अमल करें तो समाज में अमन और मोहब्बत का माहौल कायम हो सकता है। नमाज़ के बाद मुल्क में अमन-ओ-चैन, तरक़्क़ी और खुशहाली के लिए ख़ास दुआ की गई। इस मौके पर मुतवल्ली सीरत उरूज आलम, मुन्तज़िर मुतवल्ली, समाजसेवी एवं मार्केटिंग कमेटी के पूर्व चेयरमैन सैयद चौधरी मोहम्मद फैज़ान अली सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। रमज़ान के इस मुक़द्दस जुमा पर मस्जिद में ईमान और इत्तेहाद का खूबसूरत मंज़र देखने को मिला।

संभल यूथ फोरम सोसाइटी ने पेश की इंसानियत की मिसाल, आग पीड़ित परिवार की बनी सहारा

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर में दो दिन पहले शहर संभल के मोहल्ला हल्लू सराय में बहन प्रतिज्ञा के घर में भीषण आग लगने से घर का सारा सामान, रुपया-पैसा और जरूरी घरेलू सामग्री जलकर राख हो गई। इस हादसे से परिवार गहरे सदमे में था और उनके सामने रोज़मर्रा की जरूरतों का संकट खड़ा हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही शहर के समाजसेवी नबील इलाही अपनी पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने संभल यूथ फोरम सोसाइटी के बैनर तले तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराई और परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। टीम द्वारा राशन, कपड़े और अन्य आवश्यक सामान मुहैया कराया गया, जिससे पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली। इस मौके पर नबील इलाही ने कहा कि समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करना हम सबकी जिम्मेदारी है। संभल यूथ फोरम सोसाइटी का उद्देश्य शहर में आपसी भाईचारा और इंसानियत को मजबूत करना है। गौरतलब है कि संभल यूथ फोरम सोसाइटी इन दिनों शहर में जरूरतमंदों की मदद के लिए लगातार आगे आ रही है। संस्था द्वारा समय-समय पर राहत कार्य, सामाजिक सहयोग और जनहित के कार्य किए जा रहे हैं, जिसकी शहर में सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों ने संस्था के इस कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक संगठनों की वजह से ही जरूरतमंदों को मुश्किल वक्त में सहारा मिल पाता है।

माहे रामजान के दूसरे जुमे की नमाजः मस्जिदों में उमड़ी भारी भीड़, मुल्क में आमनो आमान के लिये लाखों हाथ अल्लाह से दुआओं के लिए उठे

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद : नजीबाबाद शहर में माहे रामजान के दूसरे जुमे की नमाज बड़ी शांति, अकीदत और उत्साह के साथ अदा की गई। रामजान का दूसरा जुम्मा 'अशरा-ए-रहमत' के रूप में जाना जाता है, जिसमें अल्लाह की रहमत, मगफिरत और बरकतों की दुआएं मांगी जाती हैं। शहर से लेकर आसपास के गांवों तक की मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा इलाका इबादत के रंग में रंग गया। सुबह से ही मस्जिदों की सफाई और सजावट का काम जोर-शोर से चला। अतिरिक्त सफेद चादरें बिछाई गईं, रास्तों पर चूना डाला गया और नमाजियों के लिए बेहतर इंतजाम किए गए। जुमे की नमाज से पहले इमामों ने खुतबे में रमजान की फजीलत बताई, रोजा रखने, जकात देने, गरीबों की मदद करने और गुनाहों की माफी मांगने का आह्वान किया। नमाज के दौरान मुल्क की अमन-ओ-सलामती, तरक्की और भाईचारे के लिए खास दुआएं मांगी गईं। शहर की प्रमुख मस्जिदों जैसे जामा मस्जिद पटानपुरा, नवाब नजीबुद्दौला के मकबरे वाली मस्जिद, काँटों वाली मस्जिद शफ़आत खा वाली मस्जिद पालोमेल कॉलोनी की खलीलुल्लाह मस्जिद, टंकी वाली मस्जिद, स्टेशन वाली मस्जिद, कोल्हू वाली मस्जिद, सैफियान वाली मस्जिद, बिसातियान वाली मस्जिद आदि में नमाजियों की कतारें लगी रहीं। ग्रामीण इलाकों की मस्जिदों में भी अच्छी संख्या में लोग पहुंचे। नमाज के बाद बाजारों में रौनक छा गई, लोग खरीदारी करने निकले और शहर में खुशहाली का माहौल दिखा। शहर इमाम मौलाना मोहम्मद ईसा ने कहा कि रमजान का पहला अशरा दस दिनों का होता है, जिसमें अल्लाह की बेशुमार रहमतें बरसती हैं। यह गुनाहों की माफी, दान और इबादत का सुनहरा मौका है। रोजेदारों ने कुरान तिलावत, दुआ और इबादत में वक्त गुजारा। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। प्रमुख मस्जिदों के बाहर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई, जिससे कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। नजीबाबाद वासियों ने रामजान मुबारक की कामनाएं कीं और दुआ की कि पूरा महीना रहमत, बरकत और शांति से गुजरे।

होली से पहले राज्यकर्मियों को मिलेगा वेतन, सीएम योगी ने दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के पर्व से पहले ही सभी कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि त्योहार के मद्देनजर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग तय समयसीमा का कड़ाई से पालन करें। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही आउटसोर्सिंग, संविदाकर्मी, सफाईकर्मी समेत सभी श्रेणी के कर्मियों का भुगतान भी त्योहार से पहले सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि किसी भी कर्मचारी को पर्व के दौरान आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने शनिवार 28 फरवरी को कार्यदिवस घोषित कर दिया है। वहीं, कर्मचारियों को 03 मार्च का अवकाश दिया जाएगा। होली पर्व के अवसर पर 2, 3 और 4 मार्च को अवकाश रहेगा। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के पालन में किसी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी।

चौधरी सराय चारा मंडी में "अनस मेडिकल" का शुभारंभ

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल : संभल के चौधरी सराय चारा मंडी क्षेत्र में आज "अनस मेडिकल" का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम सादगी एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। उद्घाटन अवसर पर नगर पालिका परिषद संभल के चेयरमैन पति, चौधरी मुशीर अली खान साहब मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान जनाब यूनुस मियां साबरी साहब सहित क्षेत्र के जिम्मेदार नागरिक एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने अनस मेडिकल के संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्र में मेडिकल स्टोर की स्थापना से स्थानीय नागरिकों को आवश्यक दवाइयां आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे जनहितकारी प्रयास समाज की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी नई पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए उपयोगी कदम बताया। अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

फरवरी तक उत्तर प्रदेश में हुआ .1.96 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रह

लोकतंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शुक्रवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के फरवरी मासांत तक के कर एवं करेत्तर राजस्व की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीकरण, परिवहन, ऊर्जा, भू-राजस्व तथा खनन विभागों द्वारा प्रस्तुत लक्ष्यों और उपलब्धियों का आकलन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राजस्व वृद्धि प्रदेश में विकास कार्यों की गति को निर्धारित करती है। उन्होंने सभी विभागों को पारदर्शिता, दक्षता और नवाचार-आधारित कार्यप्रणाली के साथ लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कर-राजस्व का वार्षिक लक्ष्य 2,95,000 करोड़ निर्धारित है, जिसके सापेक्ष फरवरी 2026 तक 1,96,177 करोड़ की प्राप्ति दर्ज की गई है। राज्य कर (जीएसटी + वैट) का लक्ष्य 1,75,725 करोड़ है, जिनके मुकाबले अभी तक 1,03,770 करोड़ का संग्रह प्राप्त हुआ है। इसमें जीएसटी के तहत 75,195 करोड़ तथा वैट के अंतर्गत 28,575 करोड़ की प्राप्ति शामिल है। राज्य कर विभाग ने बताया कि जीएसटी 2.0, एआई आधारित जोखिम विश्लेषण, बड़े पैमाने पर स्क्रूटनी, ई-इनवॉइसिंग और ई-वे बिल की प्रभावी निगरानी जैसे प्रयासों से कर अनुपालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एआई आधारित 1.59 लाख करदाताओं की जांच, 75 जनपदों में संवाद कार्यक्रम, फर्जी आईटीसी पर नियंत्रण तथा 3,117 करोड़ की वसूली विभाग के प्रमुख परिणाम रहे। आबकारी विभाग की ओर से बताया कि विभाग का वार्षिक लक्ष्य 63,000 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी 2026 तक 48,501 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया जा चुका है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13.2 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दुकानों के नवीनीकरण की दर 93.75 प्रतिशत दर्ज की गई है। विभाग ने उपभोग आधारित रणनीति, दुकानों के नवीनीकरण, लाइसेंस शुल्क, असग्रम मांग पत्र तथा थोक एवं ब्रांड नवीनीकरण जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से मार्च में लगभग 9,050 करोड़ की अतिरिक्त प्राप्ति का रोडमैप प्रस्तुत किया। वर्षांत तक राजस्व लगभग 57,550 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार विधानसभा में धर्म परिवर्तन पर कड़े कानून की मांग, सरकार ने फिलहाल प्रस्ताव से किया इनकार

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में धर्म परिवर्तन को लेकर कड़ा कानून बनाने की मांग उठी। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सत्तापक्ष के कई विधायकों ने इस मुद्दे को सदन में उठाते हुए राज्य में धर्मांतरण पर नियंत्रण के लिए सख्त कानून लागू करने की मांग की। इस मुद्दे को उठाने वालों में मिथिलेश तिवारी, वीरेंद्र कुमार जनक सिंह, संजय कुमार सिंह, जीवेश कुमार मिश्रा सहित कुल 18 विधायक शामिल थे। सदस्यों ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्यों में धर्म परिवर्तन विरोधी कानून लागू हैं, जहां धोखाधड़ी, प्रलोभन या बाल विवाह के माध्यम से धर्म परिवर्तन कराने पर कठोर सजा का प्रावधान है। विधायकों ने दावा किया कि बिहार में ईसाई और मुस्लिम आबादी में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई है तथा राज्य में बड़ी संख्या में चर्च स्थापित हुए हैं। सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या संरचना में बदलाव की बात कहते हुए उन्होंने धर्म परिवर्तन की घटनाओं पर चिंता जताई और कहा कि बिहार में 5000 से अधिक चर्च की स्थापना हो चुकी है। ईसाइयों का राष्ट्रीय स्तर पर ग्रोथ रेट 15.5 प्रतिशत है, जबकि बिहार में 143.23 प्रतिशत है। भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिहार में भी सख्त कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बक्सर जिले में बड़ी संख्या में (लगभग 1000) दलित परिवारों ने धर्म परिवर्तन किया है तथा सीमांचल क्षेत्र के कई जिलों (कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया) का डेमोग्राफी चेंज हो गया है। इसलिए इस कानून की जरूरत है, सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। जाले से भाजपा विधायक जीवेश कुमार मिश्रा ने धर्म परिवर्तन के बाद आरक्षण लाभ मिलने के मुद्दे को उठाते हुए इस पर स्पष्ट कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता बताई। वहीं विधायक संजय सिंह ने धर्मांतरण को गंभीर राष्ट्रीय विषय बताते हुए कड़े कानून की मांग दोहराई।

हालांकि, सरकार की ओर से जवाब देते हुए पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने स्पष्ट किया कि फिलहाल राज्य सरकार के पास धर्म परिवर्तन को लेकर कोई नया कानून लाने का प्रस्ताव नहीं है। मंत्री के जवाब के बाद विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि विषय को नियमन दे दिया गया है और सरकार आवश्यकता अनुसार इसकी समीक्षा करेगी।

बकरी चराने को लेकर 2 पक्षों में मारपीट, खेत में बकरियों के जाने पर लड़कों ने किया गाली-गलौज

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र के करियो गांव में बकरी चराने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों से करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए महुआ के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब जेनाराम की बेटी शाम को अपनी बकरियां चराकर घर लौट रही थी। इसी दौरान पप्पू सिंह के बेटे ने कुछ अन्य लड़कों के साथ मिलकर विरोध किया कि बकरियां उसके खेत में क्यों आईं। जेनाराम की पत्नी सरस्वती देवी ने बताया कि पप्पू सिंह के बेटे ने पहले गाली-गलौज की। जब उनके पति और परिवार के सदस्यों ने इसका विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट की गई। घटना की सूचना मिलते ही महुआ थाने की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि यह एक मामूली विवाद था, जो बकरी के खेत में चले जाने के कारण हुआ और मारपीट में बदल गया। एसडीपीओ संजीव कुमार ने पुष्टि की कि पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत किया है और घायलों का इलाज जारी है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। दोनों पक्ष से कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है जिससे पूछताछ की जा रही है।

स्कूल में लगे ठुमके, नेम बोर्ड को पेपर से ढका, शिक्षा समिति के अध्यक्ष ने ताला तोड़कर कैंपस में करवाया आर्केस्ट्रा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुरलिया चक में स्कूल परिसर के भीतर एक आपत्तिजनक नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कार्यक्रम स्कूल की शिक्षा समिति के अध्यक्ष मलाई सिंह की बेटी की शादी के अवसर पर आयोजित किया गया था। वायरल वीडियो में स्कूल परिसर में मंच बनाकर तेज ध्वनि में बज रहे गानों पर नर्तकियों द्वारा भड़काऊ अंदाज में प्रस्तुति देते हुए देखा जा सकता है। कार्यक्रम देर रात तक चलने की बात भी सामने आ रही है। स्कूल के सहायक शिक्षक संजय सिंह ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष मलाई सिंह ने विद्यालय के मुख्य गेट का ताला तोड़कर परिसर में स्टेज कार्यक्रम का आयोजन कराया। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल के नाम और शिक्षा समिति से संबंधित लिखे गए स्लोगन को कार्यक्रम के दौरान कागज से ढक दिया गया था, ताकि पहचान छिपाई जा सके।' इस संबंध में सदर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि विद्यालय की ओर से अब तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आवेदन मिलने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर मामले की प्रारंभिक जांच कर रही है। घटना को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक और अन्य शिक्षक सार्वजनिक रूप से कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। वहीं, जब इस मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं थी और वे मामले की जानकारी जुटा रहे हैं। स्कूल जैसे शैक्षणिक संस्थान में इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या किसी निजी समारोह के लिए सरकारी विद्यालय परिसर का इस तरह उपयोग किया जा सकता है? साथ ही, यदि आरोप सही हैं तो जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई होगी। इस संबंध में वैशाली जिलाधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनके पर्सनल ओएसडी के द्वारा बताया गया कि इसकी जानकारी प्राप्त नहीं है प्राप्त की जा रही है।

एलएस कॉलेज मैदान में अज्ञात शव मिला, मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने देखा शव

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के लंगट सिंह कॉलेज (एलएस कॉलेज) के खेल मैदान में शुक्रवार सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने मैदान के एक छोर पर व्यक्ति को बेसुध पड़ा देखा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि कोई सो रहा है, लेकिन पास जाकर आवाज देने और हिलाने पर कोई हलचल नहीं हुई, जिससे अनहोनी की आशंका हुई। तत्काल इसकी सूचना यूनिवर्सिटी थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही यूनिवर्सिटी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल पर ही जांच कर उसके मृत होने की पुष्टि की। मृतक की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक की पहचान के काफी प्रयास किए हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस ने आसपास के लोगों और कॉलेज प्रशासन से भी पूछताछ की है। मामले की आगे की जांच जारी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण का पता चलेगा नगर डीएसपी सुरेश कुमार ने बताया कि 'यूनिवर्सिटी कैंपस स्थित एलएस कॉलेज मैदान में एक अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। प्रथम दृष्टया मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मृतक की शिनाख्त की कोशिशें जारी हैं।' पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी।

शिक्षकों को अब मिलेगा पदोन्नति के साथ समय पर वेतन भुगतान

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार सरकार ने राज्य के सरकारी शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के हित में पदोन्नति, वेतन भुगतान और स्थानांतरण नीति को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले से राज्य के लाखों शिक्षकों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। बजट सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि लंबे समय से लंबित शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया अब तय समयसीमा के भीतर पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत के बाद पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी, जबकि इसकी शुरुआत अप्रैल 2026 से की जाएगी।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि पदोन्नति प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। इसमें शिक्षकों की सेवा अवधि, शैक्षणिक योग्यता और विभागीय नियमों को आधार बनाया जाएगा।

पहले चरण में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ दिया जाएगा, इसके बाद अन्य श्रेणियों के शिक्षकों को शामिल किया जाएगा। सरकार शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर भी नई नीति लागू करने जा रही है। नई स्थानांतरण नीति के तहत जून 2026 से बड़े स्तर पर तबादले किए जाएंगे। इससे दूरदराज और कठिन क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों को राहत मिलने की संभावना है तथा मानव संसाधन का संतुलित वितरण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों और शिक्षकों के फरवरी माह का वेतन होली से पहले जारी करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से लगभग 75 लाख सरकारी कर्मियों को लाभ मिलेगा, जिनमें 58 लाख से अधिक शिक्षक और प्रधानाध्यापक शामिल हैं। इसके अलावा राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2026-27 के बजट में शिक्षा विभाग के लिए 68 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। इस राशि का उपयोग स्कूलों के बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षकों की सुविधाओं में वृद्धि और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए किया जाएगा।

केजरीवाल-सिसोदिया को राहत, तेजस्वी का बीजेपी पर हमला, बोले

भाजपा का चाल-चरित्र बेनकाब, दिल्ली में फिर चुनाव कराओ

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हो गए। दिल्ली जाने से पहले मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजीरवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कथित शराब नीति मामले में कोर्ट से राहत मिलने पर प्रतिक्रिया दी। तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'इस फैसले से बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। यह साफ हो गया है कि किस तरह विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक दुर्भावना से मुकदमे किए जाते हैं।'

संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही केंद्र सरकार- तेजस्वी यादवः तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि, 'केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग अपने चुनावी फायदे के लिए कर रही है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए किया जा रहा है।' उन्होंने मांग किया है कि दिल्ली में दोबारा चुनाव कराए जाएं।

विपक्षी दलों के नेताओं को बदनाम करने की कोशिश किया- तेजस्वीः तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि, 'सिर्फ केजरीवाल ही नहीं, बल्कि पिता लालू यादव और राहुल गांधी के खिलाफ भी राजनीतिक साजिश के तहत कार्रवाई की गई।' उन्होंने भरोसा जताया कि वे और उनकी पार्टी भी कानूनी लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि न्यायपालिका से उन्हें भी इंसाफ मिलेगा। उन्होंने कहा कि, 'लोकतंत्र में न्यायपालिका पर जनता का विश्वास सबसे बड़ा सहारा है और सच की जीत तय है।'

तेज प्रताप यादव का नया अवतार, हाथों में रुद्राक्ष लिए शिव भक्ती में लीन

लोकतंत्र की शान , पटना

यूजर बोले- बाबा बागेश्वर 2; एक ने कहा- कोई तो प्रोफेशन छोड़ दें प्रभु

लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह राजनीति नहीं, बल्कि उनका नया संत अवतार है। तेज प्रताप यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'संत तेज प्रताप यादव' के नाम से नया अकाउंट बनाया है। ये अकाउंट 15 फरवरी से चल रहा है। अबतक तेज प्रताप ने5 वीडियो अपलोड किए हैं, जिसमें भगवान शिव से जुड़ी बातें कर रहें। उन्होंने लोगों से उसे फॉलो करने की अपील की है।

नए वीडियो में तेज प्रताप बिल्कुल संत जैसे भेष-भूषा में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में रुद्राक्ष की माला है। उन्होंने लाल वस्त्र धारण किया हुआ है। वीडियो में वे हर हर महादेव का उद्घोष करते हुए शिवभक्तों को संदेश दे रहे हैं। उन्होंने अपने फैन्स से कहा कि महादेव की पूजा रोज सुबह स्नान कर, मन को शांत रखकर और बिना किसी द्वेष के करनी चाहिए। प्रेम भाव से बेलपत्र अर्पित करने से महादेव प्रसन्न होते हैं।

मैं भी रोज नहा-धोकर बेलपत्र चढ़ाता हूं। बेलपत्र महादेव को अत्यंत प्रिय है। महादेव आपके पास खींचे चले आते हैं। जितने भी हमारे शिव भक्त हैं, वे ऐसा करें। भाईचारे और प्रेम के साथ सभी महादेव की पूजा करें। वे इंस्टाग्राम पर रोज नया वीडियो पोस्ट करने की बात भी कह रहे हैं।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में आयोजित कैंपस ड्राइव के अंतर्गत दो प्रतिष्ठित कंपनियों-Macleods Pharmaceuticals Ltd एवं Delhivery Ltd - द्वारा कुल 34 विद्यार्थियों का चयन किया गया

लोकतंत्र की शान

इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिसर में हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त है। कैंपस चयन प्रक्रिया के दौरान *Macleods Pharmaceuticals Ltd* के प्रतिनिधि श्री कृष्ण चंद्र (एचआर मैनेजर) एवं श्री विकास छेत्री (सीनियर मैनेजर) ने डिप्लोमा मैकेनिकल एवं डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल शाखा के कुल 26 विद्यार्थियों का चयन किया। वहीं *Delhivery Ltd* की ओर से सुश्री पायल कुमारी (एचआर) एवं श्री गौरव वर्मा (सीनियर मैनेजर) ने 8 विद्यार्थियों का चयन किया। चयनित विद्यार्थियों को औसतन 3 लाख रुपये वार्षिक वेतन पैकेज प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. (डॉ.) ब्रिजेश सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को औपचारिक रूप से ऑफर लेटर प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था का प्रतिफल है। आगामी दिनों में विश्वविद्यालय में अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों — *Success Number Ltd* तथा *Berger Paints Ltd* — द्वारा भी कैंपस चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। *Success Number Ltd* द्वारा बी.टेक (कंप्यूटर साइंस) के विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जबकि *Berger Paints Ltd* द्वारा एमबीए एवं बी.टेक (सिविल) के विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इन पदों के लिए औसत वार्षिक वेतन पैकेज लगभग 8 लाख रुपये निर्धारित है। उल्लेखनीय है कि समस्त कैंपस ड्राइव के सफल आयोजन में प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट पदाधिकारी श्री संजीत कुमार, श्री पंकज कुमार एवं सुश्री सुरभि कुमारी का विशेष योगदान रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यार्थियों को उत्कृष्ट रोजगार अवसर प्रदान होते रहेंगे और डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

पीएमसीएच गर्ल्स हॉस्टल में कमरों के आवंटन पर विवाद, पीजी–यूजी छात्राएं भड़कीं

लोकतंत्र की शान , पटना

स्वास्थ्य सचिव से हस्तक्षेप की मांग पारदर्शी नीति की मांग की

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के गर्ल्स हॉस्टल में कमरों के आवंटन को लेकर विवाद गहरा गया है। 10 मंजिला इस हॉस्टल में कुल 560 कमरे हैं, जिनमें अब तक 280 कमरे पीजी (पोस्ट ग्रेजुएट) और 280 कमरे यूजी (अंडर ग्रेजुएट) छात्राओं को आवंटित थे। हाल ही में प्रशासन ने आवंटन व्यवस्था में बदलाव की सूचना जारी की है, जिसके बाद पीजी और यूजी की छात्राओं में असंतोष फैल गया है।

नई व्यवस्था के तहत कमरा एलॉट करने की मांगः पीजी और यूजी की छात्राओं का आरोप है कि नई व्यवस्था के तहत कमरों का पुनः आवंटन किया जा रहा है। उनका कहना है कि इससे न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी, बल्कि रिसर्च और थीसिस के कार्य पर भी असर पड़ेगा। छात्राओं के अनुसार, बिना किसी स्पष्ट नीति, लिखित आदेश या पूर्व सूचना के कमरों में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जो उचित नहीं है।

पीजी की छात्राओं ने बताई अपनी समस्याः पीजी की छात्राओं ने बताया कि, इस मुद्दे को लेकर कॉलेज के प्रिंसिपल नरेंद्र प्रताप सिंह से कई बार मुलाकात कर अनुरोध किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। उनका कहना है कि परीक्षा और थीसिस सबमिशन के इस महत्वपूर्ण दौर में कमरा बदलने का दबाव मानसिक तनाव को बढ़ा रहा है। कई छात्राएं रिसर्च वर्क में लगी हैं, ऐसे में कमरा बदलना उनके लिए बेहद मुश्किल है।

स्वास्थ्य सचिव से हस्तक्षेप की मांगः मामले की गंभीरता को देखते हुए पीजी और यूजी छात्राओं का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार सरकार के स्वास्थ्य सचिव लोकेश कुमार से मिला। छात्राओं ने उन्हें लिखित शिकायत सौंपते हुए हस्तक्षेप की मांग की। शिकायत में कहा गया है कि जब तक हॉस्टल आवंटन को लेकर स्पष्ट, पारदर्शी और सर्वसम्मत नीति नहीं बनाई जाती, तब तक वर्तमान व्यवस्था को यथावत रखा जाए।

बदलाव से पहले सहमति बनाना जरूरीः छात्राओं ने यह भी स्पष्ट किया कि हॉस्टल केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि उनकी पढ़ाई, सुरक्षा और मानसिक स्थिरता से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है। ऐसे में किसी भी बदलाव से पहले सभी हितधारकों- पीजी और यूजी छात्राओं, प्रशासन और फैकल्टी के साथ बैठक कर सहमति बनाना जरूरी है। उनका कहना है कि अचानक लिए गए निर्णय से भ्रम और असुरक्षा की स्थिति बन रही है।

मांग पर पूरी नहीं होने पर आंदोलन कर सकती हैं छात्राएंः बताया जाता हैं की प्रशासन हॉस्टल व्यवस्था को संतुलित और सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से बदलाव की तैयारी में है, लेकिन इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इसी वजह से छात्राओं के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। फिलहाल, छात्राएं प्रशासन के रुख और स्वास्थ्य विभाग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हैं।

पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव को लेकर अभाविप ने जारी किया घोषणा पत्र

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने शुक्रवार को छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास, सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन को केंद्र में रखते हुए अपना विस्तृत घोषणा पत्र जारी किया। घोषणा पत्र में छात्र कल्याण, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा परिसर विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्राथमिकता दी गई है। घोषणा पत्र जारी करते हुए अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि परिषद हमेशा से छात्र हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि यह घोषणा पत्र केवल चुनावी वादों तक सीमित नहीं है, बल्कि पटना विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता, सुरक्षित वातावरण और आधुनिक सुविधाओं से युक्त संस्थान बनाने का संकल्प है। उन्होंने भरोसा जताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित कर सभी प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जाएगा। इस मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में अभाविप के प्रांत मंत्री सुमित कुमार सिंह, क्षेत्रीय मीडिया संयोजक रविकरण कुमार सहित छात्रसंघ चुनाव में अभाविप समर्थित उम्मीदवार मौजूद रहे।

अध्यक्ष पद की उम्मीदवार अनुष्का कुमारी, उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार गुंजेश कुमार, महासचिव पद की उम्मीदवार प्रिया सिंह, संयुक्त सचिव पद के उम्मीदवार अभिषेक कुमार तथा कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार हर्षवर्धन ने संयुक्त रूप से घोषणा पत्र जारी किया। अभाविप के नेताओं एवं उम्मीदवारों ने छात्र-छात्राओं से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि छात्र हित, पारदर्शिता, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को आधार बनाकर तैयार किया गया।

होली पर बिहार में बर्ड फ्लू का खतरा

पटना के सरकारी पॉल्ट्री फॉर्म में 6000 मुर्गियों को दफनाया गया, जू में हाई अलर्ट

लोकतंत्र की शान , पटना

होली पर बिहार में बर्ड फ्लू का खतरा मंडरा रहा है। कौवों के बाद अब पटना में मुर्गियों में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। चितकोहरा स्थित कौशल नगर में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पोल्ट्री अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के मुर्गी फार्म में 6000 मुर्गियां संक्रमित पाई गईं हैं। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग ने सभी मुर्गियों को दफना दिया है। संक्रमण की पुष्टि के बाद पूरे इलाके को सेनिटाइज किया गया। लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

मुर्गी फार्म क्षेत्र में बिना मास्क प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। यह इलाका एयरपोर्ट के पास चितकोहरा पुल के नीचे स्थित है। क्षेत्र में बड़ी आबादी रहने के कारण प्रशासन सतर्क है। पटना डीएम के आदेश पर नगर निगम क्षेत्र में मुर्गे और मुर्गियों को बाहर से लाने और बाहर ले जाने पर रोक लगा दी गई है। पशु स्वास्थ एवं उत्पादन संस्थान की 6 सदस्यीय टीम कौशल नगर स्थित पोल्ट्री रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर में जांच के लिए पहुंची है। कौशल नगर के सभी वीवीआईपी इलाके में सैनिटाइजेशन का काम शुरू किया गया है।

संक्रमित क्षेत्र के एक किलोमीटर दायरे को इंफेक्शन जोन घोषित किया गया है। 9 किलोमीटर क्षेत्र को सर्विलांस एरिया बनाया गया है। इस क्षेत्र में अंडा, मुर्गी और चारे के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। सेनिटाइजेशन प्रमाणपत्र मिलने के बाद ही उपयोग की अनुमति होगी।

नगर निगम की 20वीं सशक्त स्थायी समिति की बैठक, 63 से अधिक एजेंडों पर होगी चर्चा

लोकतंत्र की शान , पटना

जलापूर्ति रहेगा मुख्य मुद्दा

पटना नगर निगम की 20वीं सशक्त स्थायी समिति की बैठक आज है। मेयर सीता साहू की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में शहर के विकास और जनता की सुविधाओं से जुड़े 63 से अधिक एजेंडों पर चर्चा होगी। इस बैठक के एजेंडे में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा जलापूर्ति का है। गर्मी के मौसम की आहट को देखते हुए शहर के कई वार्डों में पानी की किल्लत दूर करने के लिए दर्जनों योजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है।

टैक्स एसेसमेंट, रेवन्यू कलेक्शन के लिए एजेंसी का चयनः इस बैठक में निगम क्षेत्र के अंतर्गत भवनों के नए सिरे से टैक्स एसेसमेंट और रेवन्यू कलेक्शन के लिए एक नई एजेंसी का चयन किया जाएगा। इसके अलावा शहर में शौचालयों के बेहतर संचालन और रखरखाव को लेकर एक ठोस नीतिगत निर्णय लिया जाएगा। पिछली बैठकों में स्वीकृत मॉडल शौचालयों के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

छठ महापर्व को लेकर कार्यों पर होगी चर्चाः विशेष रूप से साल 2025 के चैती और कार्तिक छठ महापर्व के दौरान कई घाटों पर कराए गए कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति दी जाएगी। बांकीपुर अंचल के विभिन्न घाटों जैसे काली घाट, कदम घाट, मिश्री घाट और पथरी घाट पर बालू भराई, रेलिंग पेंटिंग और पहुंच पथ की मरम्मत जैसे कार्यों पर भी चर्चा होगी। आज 1 बजे मेयर के चेम्बर में आयोजित बैठक में सभी विषयों पर चर्चा होगी।

नई बोरिंग और पाइपलाइन विस्तार पर होगी चर्चाः शहर के कई वार्डों में नई बोरिंग और पाइपलाइन विस्तार पर बड़ा फैसला होने की उम्मीद है। वार्ड संख्या 1, 7, 22, 25, 26, 29, 42, 43, 46, 49, 52, 61 और 72 जैसे क्षेत्रों में उच्च प्रवाह वाले बोरिंग लगाने और पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रस्ताव कार्यसूची में शामिल हैं। इसके अलावे कई मोहल्लों में नई सड़कों और आरसीसी नालों के निर्माण की योजना भी तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

सीमाओं से परे आकांक्षाएँः सेरेब्रल पाल्सी जागरूकता माह की एक आवाज़

लोकतंत्र की शानः राजेंद्र कैम की रिपोर्ट : मार्च माह विश्वभर में सेरेब्रल पाल्सी जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। यह केवल जागरूकता फैलाने का समय नहीं है, बल्कि साहस, धैर्य, नवाचार और असीम आकांक्षाओं का उत्सव मनाने का अवसर भी है। बहुत से लोगों के लिए सेरेब्रल पाल्सी (CP) एक सीमा का प्रतीक हो सकती है, परंतु जो इसके साथ जीवन जीते हैं, उनके लिए यह केवल एक चिकित्सीय स्थिति नहीं—बल्कि संघर्ष, अनुकूलन, रचनात्मकता और उद्देश्य की यात्रा है। सेरेब्रल पाल्सी शरीर की गति, संतुलन और मांसपेशियों के समन्वय को प्रभावित करती है। किंतु यह बुद्धिमत्ता, महत्वाकांक्षा, दृष्टि और सपनों को सीमित नहीं करती। CP से जीने वाले व्यक्ति की आकांक्षाएँ आकाश जितनी व्यापक होती हैं—और अक्सर अधिक सशक्त, क्योंकि वे दृढ़ता से निर्मित होती हैं।

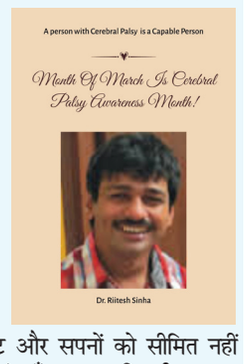

मंडल के 15 रेल कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर विदाई

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेशः जबलपुर मंडल, पश्चिम मध्य रेल में दिनांक 28.02.2026 को माह फरवरी-2026 के कुल 15 रेल कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं. इस हेतु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर में आज दिनांक 27.02.2026 (शुक्रवार) को सामान्य सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आदरणीय मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री कमल कुमार तलरेजा के द्वारा रेल सेवा से इस माह सेवानिवृत्त हो रहे समस्त रेलकर्मियों को सेवानिवृत्ति से संबंधित दस्तावेज प्रदान किये गये। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में श्री राकेश कुमार, श्री बृजभूषण सिंह ठाकुर, श्री राधेश्याम सिंह, श्री अजय कुमार, श्री रामजी राम सहित सभी रेलकर्मियों को उनकी सेवा निवृत्ति पर रेल प्रशासन के द्वारा शुभकामनाएँ दी गई। इस माह सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भुगतान एन.ई.एफ.टी. के माध्यम से मंडल रेल प्रशासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी (I/C) श्री वरूण चतुर्वेदी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) श्री शची पति नंदन एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक श्री के. पी. सिंह के साथ कार्मिक एवं लेखा विभाग के समस्त कर्मचारियों का सहयोग रहे।

पुलिस अधीक्षक का थाना रीठी पर औचक निरीक्षण — व्यवस्थाओं की सख्त समीक्षा, दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा के निर्देश

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ कटनी जबलपुर मध्य प्रदेशः पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा ने शुक्रवार दोपहर थाना रीठी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूरे थाना परिसर का बारीकी से अवलोकन कर साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य प्रशासनिक प्रबंधों की विस्तृत जांच की। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाने में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

नेपाल में प्रतिनिधि सभा चुनाव के चलते 2 से 5 मार्च तक भारत-नेपाल सीमा रहेगी बंद

पिथौरागढ़। नेपाल में प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन को देखते हुए 2 मार्च से 5 मार्च तक भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमाएं एवं पुल अस्थायी रूप से बंद रहेंगे। इस संबंध में जिला प्रशासन ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रमुख जिला अधिकारी, खलंगा (दार्चुला), नेपाल की ओर से प्रेषित पत्र के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए उक्त अवधि में सीमा पार आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग, उपजिलाधिकारी पिथौरागढ़, डीडीहाट एवं धारचूला और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संबंधित वाहिनियों को सीमाओं एवं पुलों पर प्रभावी निगरानी, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं आपसी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि 2 से 5 मार्च के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र की ओर यात्रा की योजना न बनाएं और शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

यमुनानगरःगली में खड़ी कार हटाने को लेकर विवाद ने लिया हिंसक रूप, परिवार पर रॉड और धारदार हथियारों से हमला

यमुनानगर। यमुनानगर शहर की फ्रेंड्स कॉलोनी में गली के बीच खड़ी कार हटाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति, उसके रिश्तेदार और नाबालिग बेटे पर लोहे की रॉड व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची महिला के साथ भी मारपीट किए जाने की शिकायत सामने आई है। घटना में घायल सभी लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी ईश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि वह स्कूल बैग से संबंधित कार्य करता है। देर रात वह अपने रिश्तेदार के साथ वाहन में घर लौट रहा था।

रिश्वतखोर भू अर्जन अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर अधिवक्ता आए सामने

लोकतंत्र की शान सीधी

सिर्फ ट्रेप पर नहीं और भी बिन्दुओं पर जाँच होनी चाहिए- वीरेंद्र सिंह परिहार

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सूचनाधिकार कार्यकर्ता वीरेन्द्र सिंह परिहार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि दिनांक 26 फरवरी को लोकायुक्त पुलिस द्वारा जो एक लाख रूपये की रिश्वत लेते तथाकथित भू-अर्जुन के नोडल अधिकारी श्री भूपेन्द्र पाण्डे को ट्रेप किया गया, उसमें नियमानुसार तत्काल पद से हटाने की कार्यवाही तो की ही जानी चाहिए। पर साथ में लोकायुक्त पुलिस को कुछ और बिन्दुओं पर भी जाँच करनी चाहिए। प्रमुख रूप से इस बात की जाँच होनी चाहिए कि दिनांक 27 जून 2023 को भूपेन्द्र पाण्डे को भू-अर्जन सेल का नोडल अधिकारी पदस्थ किये जाने के पश्चात भू-अर्जन के सभी प्रकरणों की जाँच हो, ताकि यह पता चल सके कि भू-अर्जन के कितने प्रकरणों में किस-किस तरह से घोटाला किया गया। इसमें एक तरफ जहाँ मनमानी मुआवजा की राशि बढ़ाकर शासन का अरबों रूपये लूटा गया वहीं दूसरी तरफ भू-स्वामियों से आधी राशि लेकर उन्हें भी लूटा गया। यह भी जाँच का विषय होना चाहिए कि जहाँ पर सौदा हनीं पटा वहाँ पर कितने एवार्ड निरस्त कर दुबारा एवार्ड बनाये गये। सबसे बड़ी जाँच इस बात की होनी चाहिए कि वगैर शासन के किसी नियम-प्रावधान के भूपेन्द्र पाण्डे को भू-अर्जन सेल का नोडल अधिकारी कैसे बना दिया गया और वह कैसे दिनांक 27.06.2023 से उस पद पर अंगद की तरह पैर टिकाये बैठे हैं। (उल्लेखनीय है कि भू-अर्जन में नोडल अधिकारी के किसी पद का प्रावधान नहीं है) और फिर भूपेन्द्र पाण्डे के विरूद्ध जब आय से अधिक सम्पत्ति में लोकायुक्त पुलिस में 250/2019 अपराध पंजीबद्ध है, और शासन के निर्देश हैं कि ऐसे लोगो को संवेदनशील महत्वपूर्ण पदों पर न रखा जाये तो फिर तत्कालीन कलेक्टर श्री साकेत मालवीय द्वारा ऐसी अवैध पदस्थापना और इतने दिनों तक उस पद पर कार्य कैसे ? इस बात की जाँच भी होनी चाहिए। इस बात की भी जाँच होनी चाहिए कि भूपेन्द्र पाण्डे को सहायक परियोजना अधिकारी में पदस्थ रहते जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिनांक 30.11.2019 एवं 30.01.2020 को दो-दो आरोप पत्र जारी किये गये, पर उनमें आज तक कोई विभागीय जाँच क्यों नहीं हुई ? जबकि उक्त आरोप पत्र में दसों करोड़ के मध्यान भोजन के घोटाले का आरोप भी है। लोगों का कहना है कि वस्तुतः भूपेन्द्र पाण्डे एक वसूली अधिकारी था जिसके चलते वास्तविक भू-अर्जन अधिकारी जो एडीएम होते हैं और अन्य अधिकारी कठपुतली बने हुये थे।

जेल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे प्रधान न्यायाधीश, जांच कर दिए आवश्यक निर्देश

लोकतंत्र की शान सीधी म प्र।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के पालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, यतीन्द्र कुमार गुरू विशेष न्यायाधीश, मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी, राकेश शुक्ला अनुविभागीय अधिकारी गोपदबनास, सोनू जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनीष कौशिक जिला विधिक सहायता अधिकारी सीधी द्वारा जिला जेल सीधी का निरीक्षण शुक्रवार दिनांक 27.02.2026 को किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल के अंदर जाति आधारित और समान भेदभाव प्रथाओं की जांच की।

विधायक योगेन्द्र राणा ने सदन में उठाई आवाज

लोक तंत्र की शान : राजेंद्र कैम की रिपोर्ट

करनाल/असंधः हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान असंध के विधायक श्री योगेन्द्र राणा ने अपने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए। उप स्वास्थ्य केंद्र के सरकारी भवन बनाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। विधायक राणा ने सदन में प्रश्न काल के दौरान क्षेत्र के 10 उप-स्वास्थ्य केंद्रों सब हैल्थ सैंटर को पक्के सरकारी भवन दिलाने की मांग को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

सदन में विधायक योगेन्द्र राणा ने बताया कि असंध विधानसभा क्षेत्र के 16 में से 10 केंद्र अभी भी अस्थायी व्यवस्थाओं के भरोसे चल रहे हैं, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर उप स्वास्थ्य केंद्रों के सरकारी भवन बवाने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव जी ने दिया आश्वासनः- विधायक राणा के प्रश्न का उत्तर देते हुए माननीय स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव जी ने सदन में स्पष्ट आश्वासन दिया कि जिन भी गांवों में उप-स्वास्थ्य केंद्र प्राइवेट या अस्थायी बिल्डिंग में बने हुए हैं, वहाँ जैसे ही जमीन उपलब्ध करवा दी जाएगी, तुरंत विभाग इस कार्य को आगे बढ़ाएगा और पक्के भवनों का निर्माण शुरू किया जाएगा।

गांव राहड़ा को मिली बड़ी सौगातः- विधायक राणा ने जानकारी दी कि गांव राहड़ा के उप-स्वास्थ्य केंद्र के लिए सरकार द्वारा 16 फरवरी 2026 को ही टेंडर अलॉट किया जा चुका है, जिसके लिए उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त किया।

विधायक राणा द्वारा उठाये गए मुख्य बिंदुः- जर्जर भवनों की मरम्मतः मुंड गांव का स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में तो है, लेकिन उसकी इमारत जर्जर अवस्था में है, जिसकी तुरंत पुनर्निर्माण की मांग की गई है।

लीला इंटरनेशनल स्कूल मड़वास के छात्र अर्पित गुप्ता ने बढ़ाया रीवा संभाग का मान

» 2.5 लाख स्टूडेंट्स में 947 रैंक हासिल करना बड़ी सफलता

लोकतंत्र की शान सीधी म प्र

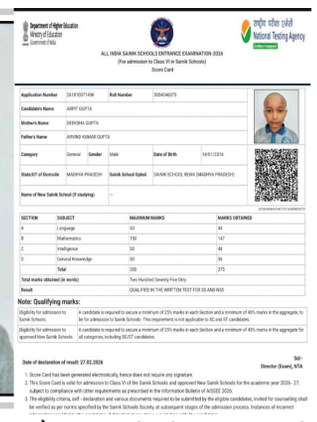

मड़वास के अर्पित गुप्ता ने रचा इतिहास — सैनिक स्कूल में चयन, ऑल इंडिया रैंक 947 मड़वास क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी लीला इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मड़वास ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को कायम रखते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र अर्पित गुप्ता (कक्षा 5) का चयन प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल में हुआ है, जिसमें उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 947 प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अर्पित, मड़वास निवासी अरविंद गुप्ता के सुपुत्र हैं, जो ग्राम पंचायत में रोजगार सहायक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता पेशे से प्राइवेट क्लिनिकल नर्स हैं। छात्र की इस सफलता से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। अर्पित की उपलब्धि के पीछे विद्यालय की कड़ी शैक्षणिक तैयारी, माता-पिता की सकारात्मक सोच और गुरुओं के आशीर्वाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि लीला इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल हमेशा कड़ी मेहनत, अनुशासन और दूरगामी सोच के साथ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है, जिसका परिणाम निरंतर उत्कृष्ट उपलब्धियों के रूप में सामने आता है। विद्यालय के चेयरमैन रमाशंकर द्विवेदी (पूर्व नवोदय विद्यालय गुना शिक्षक) ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन और लक्ष्य आधारित तैयारी से हर सपना साकार किया जा सकता है।

जनता के स्वास्थ्य बजट पर अधिकारियों का कब्जा,लाखों के हेरा फेरी का राज उजागर

लोकतंत्र की शान सीधी म प्रः रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीबीएमओ के पत्र से खुला भ्रष्टाचार का राज दोषियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में पदस्थ बीसीएम एवं प्रभारी बीएमओ तथा लेखा सहायक द्वारा सरकारी खजाने में सेंध लगाने के लिए जमकर फर्जीवाड़ा किया है, जिसकी जानकारी मिलने पर वर्तमान सीबीएमओ द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर अवगत कराया गया था, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। गौरतलब हो कि जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में रोगी कल्याण समिति के बजट से 15 लाख 11 हजार 234 रुपए का कूटरचित भुगतान करने का मामला सामने आया है, इस संबंध में सीबीएमओ द्वारा बीसीएम एवं प्रभारी बीएमओ एवं लेखा सहायक को शो-काज नोटिस जारी कर अवश्यक जानकारी मांगी गई थी जिसका आज तक कोई जवाब नहीं दिया गया। जारी नोटिस में कहा गया है कि बीसीएम एवं प्रभारी बीपीएम ऑकेश सोनी तथा लेखा सहायक सूर्यकांत तिवारी द्वारा 15 लाख 11 हजार 234 रुपए का भुगतान फर्मों/व्यक्तिगत खातों में नियम विरुद्ध तरीकों से किया गया। रोगी कल्याण समिति सिहावल का संचालन खंड चिकित्सा अधिकारी एवं ब्लॉक लेखा प्रबंधक के हस्ताक्षर से विगत कई वर्षों से संचालित किया जाता था। रोगी कल्याण समिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल का नोडल अधिकारी 15 सितंबर 2025 को एसडीएम राजस्व के द्वारा नोटशीट अनुमोदित कराई है। कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1165, दिनांक 16 जुलाई 2025 के द्वारा रोगी कल्याण समिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1308, दिनांक 4 सितंबर 2025 को शाखा प्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा हिनौती को हस्ताक्षर परिवर्तन करने हेतु सूचित किया गया है। ब्लॉक लेखा प्रबंधक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल द्वारा बताया गया कि उन्हें बिना किसी सूचना के लेखा सहायक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल सूर्यकांत तिवारी एवं बीसीएम नोडल अधिकारी ओंकेश सोनी के द्वारा 15 लाख 11 हजार 234 रुपए का फर्मों/व्यक्तिगत खातों में नियम विरुद्ध तरीके से राशियों का भुगतान किया गया है। रोगी कल्याण समिति के खाते से लाखों के फर्जी भुगतान मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। जिससे सरकारी राशि के गबन का मामला उजागर हो सके।

संत गोपाल दास महाराज की जंयती पर मंदिर में भंडारा आज

लोकतंत्र की शान सीधी

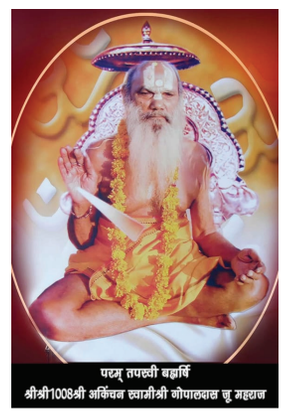

शहर के हृदय स्थल में बने अध्यात्म रामायण मंदिर मणिकूट आश्रम में दिनांक 28 फरवरी 2026 दिन शनिवार को श्री श्री 1008 श्री स्वामी श्री गोपाल दास महाराज का 103 वीं जयंती के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया है। जहां सर्वप्रथम गुरु सरिका का पाठ भजन कीर्तन हवन आदि करके बड़े धूमधाम से प्रेम भाव से महाराज श्री का पूजन-अर्चन किया जाना है। वही 108 बार हनुमान चालीसा एक साथ एक समय एक दिन होना है। आप सभी भक्तगण 108 की माला हनुमान चालीसा की होने वाली है जिसमें सम्मिलित होकर अपने को धन्य करें। शहर के अलावा ग्रामीण अंचल के शिष्यों अनुयायियों से अपील करते हुए आध्यात्म रामायण मंदिर पुजारी संत शत्रुघ्न दास ने कहा की स्वामी श्री गोपाल दास जी महाराज की जय जयंती 103 वीं है ऐसे महान संत की जयंती में सम्मिलित हो और प्रसाद ग्रहण करें। दोपहर 2:00 बजे से हनुमान चालीसा का पाठ होना है, समय का ध्यान रखते हुए पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं एवं विशाल भंडारे में सहभागी बने।

ग्रीन हाइड्रोजन भारत के निम्न-कार्बन औद्योगिक परिवर्तन में एक परिवर्तनकारी शक्ति बन सकता हैः पूर्व सचिव, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, भारत सरकार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः भूपिंदर सिंह भल्ला, पूर्व सचिव, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार ने 'FICCI इंडिया एनर्जी समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का ऊर्जा संक्रमण अब एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है और मंशा से क्रियान्वयन तक की यात्रा पूरी कर अब क्रियान्वयन से एकीकरण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब नीति ढांचे के समन्वय, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल तथा अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है, ताकि प्रौद्योगिकी के प्रसार और निवेश प्रवाह को गति मिल सके। उन्होंने कहा, "सुसंगत नीतिगत दिशा, सहयोगात्मक शासन और वैश्विक सहभागिता के माध्यम से भारत संरचित और आत्मविश्वासपूर्ण तरीके से अपने ऊर्जा संक्रमण को आगे बढ़ाते हुए आर्थिक विकास को बनाए रख सकता है।" श्री भल्ला ने आगे कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन डीकार्बोनाइजेशन का एक प्रमुख स्तंभ होगा, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां प्रत्यक्ष विद्युतीकरण संभव नहीं है। उन्होंने कहा, "डीकार्बोनाइजेशन को नीतिगत पहल से आगे बढ़ाकर बाज़ार-आधारित बनाना होगा, और यही वह क्षेत्र है जहां कार्बन बाज़ार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह अकेला समाधान नहीं है, लेकिन इस्पात, रिफाइनिंग, उर्वरक और भारी परिवहन जैसे उद्योगों में परिवर्तन लाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शुरुआती चरण में मांग समेकन, पायलट परियोजनाएं और लक्षित व्यवहार्यता अंतर समर्थन (Viability Gap Support) आवश्यक होंगे। जैसे-जैसे पैमाना बढ़ेगा और लागत घटेगी, ग्रीन हाइड्रोजन भारत के निम्न-कार्बन औद्योगिक परिवर्तन में एक परिवर्तनकारी शक्ति बन सकता है।"

बच्चों व युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्म से भी जोड़कर रखेंः मदान

» राज्य सूचना आयुक्त को भेंट की वाल्मीकि रामायण

लोकतंत्र की शान

करनालः हर घर वाल्मीकि रामायण अभियान के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक तेजिंद्र सिंह तेजी ने शुक्रवार को राज्य सूचना आयोग हरियाणा के आयुक्त अधिवक्ता संजय मदान को सेक्टर-12 करनाल स्थित उनके निवास पर रामायण भेंट की। संजय मदान ने इस अनूठे अभियान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आदिकवि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सनातन संस्कृति का आधारस्तंभ ग्रंथ है। जो धर्म, नैतिकता और रामराज्य के आदर्शों से जोड़े रखता है। भगवान वाल्मीकि त्रिकालदर्शी थे और उन्होंने श्रीरामचंद्र के जन्म से पूर्व उनकी जीवनगाथा रच दी थी। यह न केवल श्रीराम की गाथा है बल्कि आदर्श समाज, कर्तव्य, त्याग व न्याय का सर्वोच्च मार्गदर्शक है। जो रामराज्य की संकल्पना के माध्यम से भारत को सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक एकता के सूत्र में पिरोता है। मदान ने कहा कि आज के बच्चों व युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ अध्यात्मक से जोडक़र रखना जरूरी है। उनका अभिभावकों को संदेश है कि बच्चों को मंदिर में अवश्य भेजें। आध्यामिक कार्यक्रमों में शामिल करें। रामायण पाठ करना सिखाएं। मोहल्लों में जो मंदिर स्थापित हैं उनमें संगत को प्रत्येक मंगलवार हनुमान चालीसा पाठ अवश्य करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर में जहरीली गैस फैली, 5 की तबीयत बिगड़ी, लोगों को सांस लेने में परेशानी, उल्टियां हुईं, घरों से बाहर निकले

इंदौर। इंदौर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में गुरुवार रात अमोनिया गैस के रिसाव से इलाके में हड़कंप मच गया। गैस के असर से कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई, जिसके बाद दो महिलाओं समेत पांच लोगों को एहतियातन अस्पताल भेजा गया। प्रशासन के मुताबिक सभी की हालत स्थिर है और कोई भी गंभीर नहीं है। सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसनी ने बताया कि पांचों की हालत ठीक है। एडमिट तीन मरीजों में से एक को डिस्चार्ज कर दिया है। जबकि दो को कुछ देर बाद कर दिया जाएगा।

ऐसे ही चरक हॉस्पिटल में 6 लोग एडमिट थे। उनकी हालत बिल्कुल ठीक है। इनमें से चार लोगों डिस्चार्ज कर दिया है। डीसीपी आनंद कालादगी ने बताया कि ककतपुरा पुल के नीचे शहजाद नाम के एक कबाड़ी द्वारा सिलेंडर काटा जा रहा था। इसी दौरान उसमें से अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस फैलते ही आसपास मौजूद लोगों को घबराहट और सांस लेने में परेशानी महसूस होने लगी। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि इस घटना में कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से प्रभावित नहीं हुआ है। सभी लोग सुरक्षित हैं। पुलिस ने कबाड़ी शहजाद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है। मामले में नगर निगम की टीम शुक्रवार को मौके पर पहुंची और कबाड़ दुकानदार शाहरुख शहजाद खान की दुकान सील कर दी स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया ने बताया कि दुकान सील करने के साथ ही आसपास और बाहर पड़े सामान को लेकर सख्त चेतावनी दी गई है कि जब तक पुलिस की कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती तब तक इन सामान को कहीं ठिकाने नहीं लगाए। नगर निगम द्वारा उसे बाद में जब्त किया जाएगा

बांके बिहारी को लगा रंग, नाचते हुए पहुंचे भक्त, वृंदावन में विदेशियों ने भी खेली होली, कहा- मजा आ गया

मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर लट्ठमार होली महोत्सव शुरू हो गया है। कलाकार बरसाने में मच गया शोर, सखी ने पकड़ा नंदकिशोर, रसिया गाने पर डांस कर रहे हैं। महोत्सव में करीब 50 हजार भक्त पहुंचे हैं। इससे पहले वृंदावन में रंगभरी एकादशी पर अनोखा नजारा दिखा। बांके बिहारी जी को रंग और अबीर लगाने के साथ ही ब्रज की होली की शुरुआत हुई। मंदिर रंग-बिरंगे गुलाल में डूबा नजर आया। पुजारियों ने प्रसादी गुलाल भक्तों पर बरसाया। फूल, जलेबी और लड्डू लुटाए। प्रसाद पाने के लिए भक्तों में होड़ मच गई। शरीर पर अबीर पड़ते ही भक्त खुशी से झूम उठे। बांके बिहारी जी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा। अबीर से सराबोर भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर हवा में रंग और अबीर उड़ाया और एक-दूसरे को गुलाल लगाया। इस दौरान वृंदावन की गलियां भक्तों से भरी रहीं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। अबीर गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों पर झूम रहे हैं। 'आज ब्रज में होली रे रसिया' गाने पर नाच रहे हैं। बड़ी संख्या में भक्त वृंदावन की पंचकोसी परिक्रमा कर रहे हैं। कई भक्त अपने लड्डू गोपाल को गोद में लेकर आए हैं। महिलाएं भजन गा रही हैं। श्रद्धालु राधे-राधे बोलते हुए गुलाल उड़ाकर चल रहे हैं। इस बीच, राधा वल्लभ मंदिर से राधा कृष्ण का डोला निकला। बग्गी पर सवार होकर राधा कृष्ण के स्वरूप शहर में जगह-जगह होली खेलते हुए आगे बढ़ रहे हैं। अनुमान है कि करीब 10 लाख भक्त वृंदावन पहुंचे हैं। इससे पहले, गुरुवार को नंदगांव और बुधवार को बरसाना में लठमार होली खेली गई थी।

तीन महीने से डाइट पर 3 साल की मासूम, वजन बढ़कर 13.5 किलो हुआ तो नहीं लग पाएगा 9 करोड़ का इंजेक्शन

इंदौर। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (SMA) टाइप- 2 बीमारी से ग्रसित 3 साल 2 महीने की मासूम अनिका शर्मा के पास इलाज का आखिरी मौका बचा है, अगर उसका वजन 13.5 किलो हो गया तो उसका इलाज हो पाना भी मुश्किल है। इसलिए उसे माता-पिता ने डाइट पर रखा है। तीन महीने से उसे खाना नहीं दिया। माता-पिता भी जल्द से जल्द पैसे जुटाने में लगे हैं, ताकि अनिका का वक्त रहते इलाज करा पाए। अनिका को 9 करोड़ रुपए का इंजेक्शन लगना है, जो अमेरिका से आएगा। वहीं पैसा इकट्ठा करने के लिए माता-पिता रोज कई लोगों के साथ मिलकर क्राउड फंडिंग कर रहे हैं। क्राउड फंडिंग, डोनेशन मिलाकर अब तक 5 करोड़ 60 लाख रुपए इकट्ठा हो चुके हैं। बाकी पैसे जुटाने में परिवार लगा हुआ है। अनिका की मां सरिता शर्मा ने बताया कि अनिका का वजन अभी 10.5 किलो है, जो इंजेक्शन है, वह 13.5 किलो के पहले लगना है। वजन ना बढ़े, इसके लिए अनिका को डाइट पर रखा है। अनिका को खाने में फ्रूट्स, जूस, चाय-बिस्किट और हलवा बनाकर देते हैं। रोटी, चावल या ऐसे फ्रूट्स नहीं देते, जिससे उसका वजन बढ़ जाए। ऐसी चीज देते हैं कि उसका पेट भर जाए। तीन महीने से अनिका को खाना नहीं दिया, ताकि इसका वजन कंट्रोल में रहे और बढ़े नहीं। बच्ची के इलाज के लिए मां ने चप्पल तक पहनना छोड़ दिया है। मां ने बताया कि दिल्ली एम्स अस्पताल से जो प्रिस्क्रिपशन बना है, उसमें इलाज के दो क्राइटेरिया दिए गए थे। एक ये कि अनिका को 2 साल की उम्र के पहले इंजेक्शन लगना था। दूसरा ये कि 13.5 किलो वजन के पहले उसे इंजेक्शन लगाना है। उम्र का क्राइटेरिया तो निकल गया, लेकिन वजन का क्राइटेरिया अभी बचा है। ये आखिरी मौका है, उसकी जान बचाने के लिए।

मुख्तार के शूटर शोएब की दिनदहाड़े हत्या, बाराबंकी में कार पर 15 से ज्यादा गोलियां बरसाईं

बाराबंकी। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह 50 साल का था। वारदात शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे हुई, जब वह कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। हाईवे से 100 मीटर आगे बढ़ते ही दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उसकी कार पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। हत्याकांड की सूचना पर IG प्रवीण कुमार, डीएम और एसपी मौके पर पहुंचे। बॉबी पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े 12 मुकदमे दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, मुख्तार की मौत के बाद गैंग के भीतर वर्चस्व की लड़ाई और आपसी रंजिश चल रही थी। शोएब वकील भी था। करीब 15 साल से कचहरी में वकालत कर रहा था। हत्या के विरोध में वकीलों ने पहले जिला अस्पताल में हंगामा किया। काफी देर तक जिला अस्पताल में हंगामा करने के बाद वकीलों ने बस अड्डे के सामने सड़क पर जाम लगा दिया। हंगामा बढ़ता देख एसपी ने वकीलों के प्रतिनिधिमंडल को कार्यालय बुलवाकर समझाया। वकीलों ने प्रार्थना पत्र देकर 48 घंटे में बॉबी के हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की।

केजरीवाल बोले- मोदी, शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा

अदालत के फैसले के बाद दिल से बड़ा बोझ उतरा, जनता जानती है कि हम ईमानदार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े CBI केस में बरी होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पूर्व CM ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा। वे AAP को हरा नहीं पाए तो खत्म करने जुट गए। केजरीवाल ने कहा- आज मेरे दिल से बड़ा बोझ उतर गया है। मोदी-शाह ने हमारे खिलाफ इतने केस बनाए। हमारे पीछे ED, CBI, पुलिस छोड़ी। एक समय AAP के टॉप 5 नेता जेलमें थे, लेकिन आप कुछ नहीं बिगाड़ सके। अब तो केवल कत्ल कराकर ही केजरीवाल को कंट्रोल कर सकते हैं।

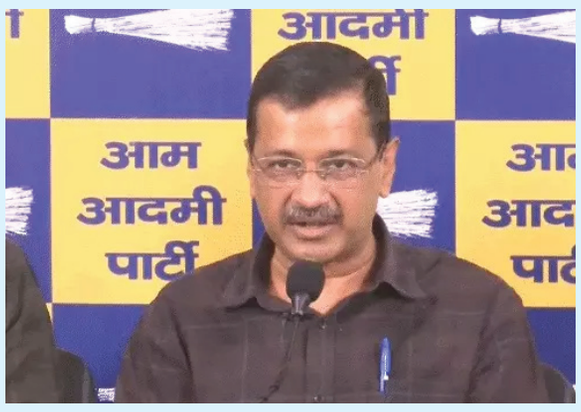

पूर्व CM ने कहा- भाजपा ने पिछले 4 साल 'शराब घोटाला' शब्द का खूब इस्तेमाल किया। आज के समय में जब सारी संस्थाओं, अथॉरिटीज को धमकाया का जा रहा है तब कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। इतना बड़ा न्याय करने के लिए जज साहब ने वाकई बहुत हिम्मत दिखाई है। ज्यूडिशियरी और जज का बहुत धन्यवाद।

केजरीवाल-सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपी बरी: दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े CBI केस में शुक्रवार सुबह केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने CBI को भी कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी की चार्जशीट में कई ऐसी खामियां हैं जिनका किसी गवाह या बयान से कोई लेना-देना नहीं है।

स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने कहा कि केजरीवाल को बिना किसी ठोस सबूत के फंसाया गया है। कोर्ट ने सिसोदिया और अन्य आरोपियों को आरोपमुक्त करते हुए कहा कि CBI आरोप साबित करने में विफल रही है। हजारों पन्नों की चार्जशीट में ऐसी चीजें हैं जो किसी भी गवाह के बयान का समर्थन नहीं करती। जज ने कहा कि चार्जशीट में भ्रामक बयान हैं।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में जंग के हालात

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जंग के हालात बन गए हैं। PAK एयरफोर्स ने एक बार फिर अफगानिस्तान में कई प्रांतों में एयरस्ट्राइक की है। दूसरी तरफ तालिबान ने भी इस्लामाद के फैजाबाद सैन्य ठिकाने समेत कई अहम मिलिट्री बेस को निशाना बनाने का दावा किया है। संघर्ष की शुरुआत गुरुवार देर रात पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के हमले से हुई। यह हमला 22 फरवरी को अफगानिस्तान में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया।

टोलो न्यूज के मुताबिक तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने इस हमले में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया। इस हमले के जवाब में PAK सरकार ने ऑपरेशन 'गजब लिल हक' शुरू किया और काबुल, नंगरहार, पक्तिका, पक्तिया, लगमान, खोस्त प्रांत समेत कई शहरों में एयरस्ट्राइक की। इस एयरस्ट्राइक में पाकिस्तान ने 133 अफगान लड़ाकों को मारने का दावा किया। दोनों के बीच संघर्ष में करीब 200 लोगों के मारे जाने की खबर है।

- पाक ने एयरस्ट्राइक की, तालिबान बोला- इस्लामाबाद में मिलिट्री ठिकाने को निशाना बनाया

दावा- तालिबानी लड़ाकों ने पाकिस्तानी जेट गिराया: अफगान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी लड़ाकों ने एक पाकिस्तानी जेट भी मार गिराया है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अफगान सरकार का दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं। पाकिस्तानी सेना के एक हेडक्वॉर्टर और 19 चौकियों पर भी कब्जा कर लिया गया है। PAK रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे सब्र की सीमा पार हो चुकी है, अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है।

नेपाल में जनमत सर्वेक्षण प्रकाशित करने वाले मीडिया संस्थान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के चुनाव से पहले निर्वाचन आचार संहिता के विपरीत जनमत सर्वेक्षण की शैली में चुनावी विश्लेषण प्रकाशित करने के आरोप में कई ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता आभास रेग्मी, आयुष बडाल और आकाश ढकाल द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गयी इस याचिका में प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय, संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, निर्वाचन आयोग, प्रेस काउंसिल नेपाल सहित जनमत सर्वेक्षण प्रकाशित करने वाले मीडिया के मालिकों और संपादकों को प्रतिवादी बनाया गया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि कुछ मीडिया संस्थानों ने चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से विभिन्न जिलों के उम्मीदवारों की हार-जीत का पूर्वानुमान लगाने वाले समाचार प्रकाशित किए, जो निर्वाचन आचार संहिता की धारा 4 और 25 के विपरीत है। याचिका में उल्लेख किया गया है कि आचार संहिता के अनुसार उम्मीदवारों के नामांकन दर्ज होने की तिथि से लेकर मतदान सम्पन्न होने तक किसी भी उम्मीदवार या राजनीतिक दल के मत परिणाम संबंधी जनमत सर्वेक्षण करना या उसके परिणाम की घोषणा करना निषिद्ध है।

याचिकाकर्ताओं का दावा है कि विश्लेषण के आवरण में मतदाताओं की व्यक्तिगत धारणा सार्वजनिक कर संविधान की धारा 28 द्वारा प्रदत्त गोपनीयता के अधिकार तथा गोपनीय मतदान की अवधारणा का उल्लंघन किया गया है। इससे मतदाताओं की मानसिकता प्रभावित होने और चुनाव की निष्पक्षता पर असर पड़ने की आशंका जताई गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि निर्वाचन आयोग और प्रेस काउंसिल नेपाल ने ऐसे कार्यों को रोकने में प्रभावी भूमिका नहीं निभाई। इसलिए अदालत से अनुरोध किया गया है कि इस प्रकार की समाचार सामग्री के प्रकाशन/प्रसारण पर रोक लगाने के लिए परमादेश जारी किया जाए।

विभिन्न अभियानों में 6 उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर के विभिन्न इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान चलाए गये धरपकड़ अभियान के दौरान विभिन्न उग्रवादी संगठनों के छह कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से आज जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है कि बीते गुरुवार को सुरक्षा बलों ने पहले अभियान में पीआरईपीएके (पीआरओ) के एक सक्रिय कैडर थोकचोम राज सिंह (25) उर्फ इबुंगो को गिरफ्तार किया गया है। उसे इंफाल पश्चिम जिलांतर्गत घारी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया।

दूसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (पीएससी) के एक सक्रिय कैडर पृथ्वीराज मोइरंगथेम उर्फ 3बी (26) को गिरफ्तार किया गया। उसे पुलिस ने इंफाल पूर्व जिले के इरिलबुंग थानांतर्गत उसके आवास से गिरफ्तार किया। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के दो कैडरों को इंफाल पूर्व जिले के याइंगंगपोकपी थानांतर्गत याइंगंगपोकपी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसकी पहचान थिंगोम महेनजीत सिंह उर्फ अनाओ (22) और नांगबाम डेरिक सिंह (20) के रूप में की गयी है। उनके कब्जे से एक नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, एक डेटोनेटर, विभिन्न कैलिबर के 10 राउंड जिंदा राउंड कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया।

चौथे अभियान में सुरक्षा बलों ने एक जबरन वसूली करने वाले, आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय कैडर मोइरंगथेम जेनसन सिंह उर्फ अहेनबा उर्फ नाओबी (26) को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल पूर्व जिले के हेइंगंग थानांतर्गत इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से आरपीएफ/पीएलए फाउंडेशन डे के तीन बैनर और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया।

पांचवें अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर लोंगजाम याइफाबा एंगोम उर्फ नानाओ (30) को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल वेस्ट जिला के वाहेंग खुमान एरिया से गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। पुलिस गिरफ्तार उग्रवादियों से लगातार पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

कोलकाता सहित बंगाल के कई जिलों में भूकंप, 5.4 तीव्रता

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता सहित कई जिलों में शुक्रवार दोपहर करीब 1.30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के ढाका स्थित अगरगांव में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 मापी गई। पश्चिम बंगाल से अगरगांव की दूरी लगभग 26 किलोमीटर बताई जा रही है। झटके इतने तेज थे कि कोलकाता में बहुमंजिला इमारतें कुछ सेकेंड तक हिलती रहीं। अचानक कंपन महसूस होते ही लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए।

कोलकाता के अलावा हावड़ा, हुगली, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में भी लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया। कई इमारतों में बंद पड़े सीलिंग फैन तक हिलते नजर आए। कुछ पुराने मकानों के झुकने की भी खबर सामने आई है। हालांकि अब तक बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। कोलकाता में स्वगता नाम की ने

- तेज झटके महसूस हुए, इमारतें हिलीं, लोग सड़कों पर निकले; बांग्लादेश के ढाका में था केंद्र

युवती ने बताया कि हम सोफे पर बैठे थे तभी अचानक झटके महसूस हुए। हम तुरंत घर से बाहर भागे। सोफा और पंखा हिल रहे थे, टेबल पर रखी एक बोतल गिर गई। हम सब नीचे की ओर भागे। कोलकाता में इस महीने यह दूसरी बार भूकंप आया है। इससे पहले 3 फरवरी की रात को भी कोलकाता में भूकंप आया था। तब भूकंप का केंद्र म्यांमार में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6 दर्ज की गई थी।

बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर नेपाल पुलिस नाराज़, दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में गत वर्ष 8 और 9 सितंबर को हुए 'जेनजी आंदोलन' पर बीबीसी वर्ल्ड सर्विस द्वारा प्रसारित की गई एक डॉक्यूमेंट्री को लेकर नेपाल पुलिस ने कड़ा ऐतराज जताया है और बीबीसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। बीबीसी की इस 41 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में दो दिनों की घटनाओं के फुटेज के साथ नेपाली पुलिस पर युवाओं पर शत्रुता की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया गया है और गोली चलने की घटना के लिए तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चंद्र बहादुर खापुंग मुख्य जिम्मेदार ठहराया गया है। गत 8 सितंबर 2025 को हुए आंदोलन में 19 युवाओं की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। गोली चलने से पहले प्रदर्शनकारियों द्वारा संसद भवन पर हमला किए जाने और पुलिस पर पथराव किए जाने के दृश्य डॉक्यूमेंट्री में दिखाए गए हैं। नेपाल पुलिस का कहना है कि यह डॉक्यूमेंट्री उसे बदनाम करने के लिए बनाई गई है। प्रदर्शनकारी पुलिस की बैरिकेड तोड़कर संसद भवन की ओर बढ़े थे। संसद भवन की दीवार तोड़ने और गेट में आग लगाने के बाद पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछार का प्रयोग किया, जैसा कि डॉक्यूमेंट्री में दिखाया गया

है। लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे नहीं हटे, जिसके बाद गोली चलाई गई। अग्रिम पंक्ति में न होने के बावजूद कुछ अन्य युवाओं को भी गोली लगी। नेपाल पुलिस के तरफ से एक बयान जारी कर डॉक्यूमेंट्री के शीर्षक 'दुश्मन की तरह गोली मारी गई' जैसे शब्दों का प्रयोग करने पर अपनी आपत्ति जताई है। पुलिस का मानना है कि इस तरह का हेडलाइन देकर बीबीसी पुलिस को बदनाम करने और सनसनी फैलाने का प्रयास किया है।

डॉक्यूमेंट्री में उस दिन गोली चलने की घटना के लिए तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चंद्र बहादुर खापुंग मुख्य जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की गई है। पुलिस की आंतरिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बीबीसी ने दावा किया है कि पुलिस प्रमुख ख़ापुंग के आदेश पर गोली चलाई गई। रिपोर्ट में पुलिस 'लॉग' का हवाला देते हुए बताया गया है कि 'पीटर 1' कॉलसाइन से गोली चलाने का आदेश आया था। रिपोर्ट के अनुसार 'पीटर 1' कॉलसाइन तत्कालीन आईजीपी का था। रिपोर्ट के मुताबिक, फील्ड में मौजूद पुलिसकर्मियों द्वारा बार-बार आदेश मांगे जाने पर खापुंग ने कॉलसाइन के माध्यम से कहा था, "कर्फ्यू लागू हो चुका है। अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। आवश्यक बल प्रयोग करें।"

इसी आधार पर बीबीसी ने तत्कालीन आईजीपी खापुंग को मुख्य जिम्मेदार बताते हुए आरोपित किया है। हालांकि, घटना में राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका के संबंध में डॉक्यूमेंट्री में कोई टिप्पणी नहीं की गई है। केंद्रीय पुलिस प्रवक्ता उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अविनारायण काफ्ले ने कहा कि रिपोर्ट में उल्लिखित पुलिस कॉलसाइन संवाद आधिकारिक नहीं हैं। उन्होंने कहा, "जब स्वयं डॉक्यूमेंट्री में यह कहा गया है कि संवाद विभिन्न फुटेज के आधार पर संकलित किए गए हैं, तो उनकी वैधानिकता पर प्रश्न उठता है। पुलिस से संबंधित विषयों में सीधे हमसे पूछा जा सकता है, इस प्रकार कठिन तरीके से संकलन करने की आवश्यकता नहीं है।"

कनाडाई पीएम 4 दिन के दौरे पर भारत पहुंचे, निवेश-ट्रेड डील पर फोकस

एजेंसी, नई दिल्ली/ओटावा

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी आज 4 दिन के दौरे पर भारत पर पहुंच गए हैं। इस दौरे का मकसद भारत और कनाडा के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में नए साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस करना है। प्रधानमंत्री के तौर पर मार्क कार्नी का यह पहला भारत दौरा है। कनाडा में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कार्नी मुंबई में बिजनेस लीडर्स से मुलाकात करेंगे। इस दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में निवेश पर चर्चा होगी। कार्नी की भारत यात्रा से पहले कनाडा के अधिकारी अब भारत पर लगाए गए कुछ गंभीर आरोपों से पीछे हटते नजर आ रहे हैं। पहले कनाडा ने आरोप लगाया था कि भारत उसकी जमीन पर हस्तक्षेप कर रहा है और सीमापार दबाव जैसी गतिविधियों में शामिल है। सीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ कनाडाई अधिकारी ने कहा कि अगर कनाडा को लगता कि भारत उसकी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल दे रहा है, तो प्रधानमंत्री भारत की यात्रा नहीं करते।

2 मार्च को नई दिल्ली में मोदी से मिलेंगे कार्नी: कार्नी 1 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे और 2 मार्च को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसका मुख्य एजेंडा में कंप्रीहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (CEPA) की वार्ताओं को शुरू करना शामिल है, जो लंबे समय से रुकी हुई है। इसके अलावा, सुरक्षा और रक्षा सहयोग पर चर्चा होगी। साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद कार्नी ऑस्ट्रेलिया और जापान की यात्रा पर रवाना होंगे। पूरा दौरा 27 फरवरी से शुरू होकर 7 मार्च तक चलेगा। इसका यात्रा का मकसद कनाडा का अमेरिका पर आर्थिक निर्भरता कम करना और नए व्यापारिक रास्ते खोलना है।

- कनाडाई अफसर बोले- कनाडा में अपराधों से भारत का लेना-देना नहीं

भारत में निवेश को बढ़ावा दे रहा कनाडा: भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है। भारत में 600 से ज्यादा कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। भारत से कनाडा को मुख्य निर्यात में दवाइयां, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पाद शामिल हैं।

कनाडा के बड़े पेंशन फंड पहले से ही भारत में रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में बड़ा निवेश कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने भारत में 100 बिलियन डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश किया है। अब कनाडा इस निवेश को और बढ़ाना चाहता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कहना है कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी राजनीतिक मतभेद रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कनाडा भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा।

दिल्ली आबकारी नीति आरोपी बरी प्रकरण- न्यायिक जवाबदेही अभियोजन की गुणवत्ता और राजनीतिक आरोप- प्रत्यारोप की सीमाओं पर उठते वैश्विक प्रश्न-एक समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» नीति निर्धारकों के लिए यह समय है कि वे एक सशक्त क्षतिपूर्ति और जवाबदेही तंत्र विकसित करें, ताकि न्यायिक प्रक्रिया की लंबी यात्रा में आरोपी को जीवन का बहुमूल्य समय न गंवाना पड़े

» निचली से ऊपरी अदालत आरोपों को खारिज, अपील डिसमिस कर दे,तो क्या आरोपी को सामाजिक आर्थिक राजनीतिक क्षति,मानसिक आघात, इन सबकी भरपाई केवल "बरी" शब्द से हो सकती है? -नीति निर्धारकों को को इसपर कानून बनाने की जरूरत -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरी दुनियाँ के लगभग सभी लोकतांत्रिक देशों में आपराधिक न्याय प्रणाली बहु- स्तरीय,जटिल और प्रक्रिया- प्रधान होती है। निचली अदालतों से लेकर उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय तक,हर स्तरपर साक्ष्य, गवाह,परिस्थितिजन्य तथ्य,अभियोजन की दलीलें और बचाव पक्ष की आपत्तियाँ विस्तार से परखी जाती हैं।यह प्रक्रिया विधि-राज (रूल ऑफ़ लॉ) की रक्षा के लिए आवश्यक है, परंतु इसकी लंबी अवधि अक्सर आरोपित व्यक्ति के जीवन का बहुमूल्य समय निगल जाती है।जब कोई व्यक्ति वर्षों तक मुकदमे और कारावास झेलने के बाद अंततः निर्दोष सिद्ध होता है,तब मूल प्रश्न उठता है उसके बीते हुए समय,सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक क्षति और मानसिक आघात की भरपाई कौन करेगा?27 फरवरी 2026 को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत द्वारा दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित 23 आरोपितों को बरी किए जाने के बाद यह प्रश्न और तीव्रता से उभरा है।अदालत ने कहा कि अभियोजन का मामला ठोस साक्ष्यों पर आधारित नहीं था और साजिश की थ्योरी अनुमानात्मक थी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह फैसला केवल एक आपराधिक मुकदमे का अंत नहीं, बल्कि न्यायिक जवाबदेही, अभियोजन की गुणवत्ता और राजनीतिक आरोप- प्रत्यारोप की सीमाओं पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विमर्श का महत्वपूर्ण सटीक प्रारंभ बिंदु बन गया है। साथियों बात अगर हम दिल्ली आबकारी नीति मामले में न्यायालय की प्रमुख टिप्पणियों क्रो समझने की करें तो राउज एवेन्यू अदालत ने हजारों पन्नों की चार्जशीट का विश्लेषण करते हुए पाया कि आरोप गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों से पुष्ट नहीं होते।अदालत ने कहा कि आबकारी नीति के निर्माण में व्यापक साजिश या आपराधिक मंशा सिद्ध नहीं हुई।विशेष रूप से, अदालत ने यह भी कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का नाम बिना ठोस प्रमाण जोड़ा जाना विधि- सिद्धांतों के विरुद्ध है।मुख्य आरोपी बताए गए कुलदीप सिंह के विरुद्ध भी कोई ठोस सामग्री न मिलने पर उन्हें बरी किया गया। मीडिया में ऐसा कहा जा रहा है क़ि अदालत ने जांच अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी दिए,जो यह संकेत देता है कि न्यायालय ने जांच की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न उठाए।अभियोजन एजेंसी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो नें 23 व्यक्तियों के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल किया था,परंतु विशेष न्यायाधीश ने सभी के विरुद्ध आरोप तय करने से इनकार कर दिया। अब एजेंसी द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय और संभावित रूप से सुप्रीम कोर्ट में अपील किए जाने की संभावना है, जिससे यह मामला आगे भी बहुत वर्षों तक प्रिक्रिया के तहत चल सकता है। साथियों बात अगर हम राउज एवेन्यू कोर्ट की चार महत्वपूर्ण टिप्पणियों को समझने की करें तो एक मीडिया चैनल के अनुसार कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों को बरी किया। कहा कि हजारों पन्नों की चार्जशीट में कई खामियां हैं और उसमें लगाए गए आरोप किसी गवाह या बयान से साबित नहीं होते। चार्जशीट में विरोधाभास हैं, जो कथित साजिश (आरोपों) की पूरी थ्योरी को कमजोर करते हैं।अदालत ने सीबीआई के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं (1) आबकारी नीति पर क्या कहा-आबकारी नीति के निर्माण में कोई व्यापक साजिश या आपराधिक मंशा नहीं थी। अभियोजन पक्ष (सीबीआई) का मामला न्यायिक जांच पर खरा नहीं उतरता। सीबीआई ने साजिश की एक कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसका सिद्धांत ठोस साक्ष्यों के बजाय मात्र अनुमान पर आधारित था।(2)केजरीवाल पर क्या कहा- केजरीवाल का नाम बिना किसी ठोस सबूत के जोड़ा गया। जब मामला किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से जुड़ा हो, तब बिना पुख्ता

सबूतों के आरोप लगाना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है (3) मुख्य आरोपी कुलदीप पर क्या कहा- मुख्य आरोपी कुलदीप सिंह को बरी करते हुए कहा कि हैरानी की बात है कि उन्हें पहला आरोपी क्यों बनाया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई ठोस सामग्री नहीं थी। (4) मनीष सिसोदिया पर क्या कहा- सिसोदिया पर आरोप था कि वे शराब नीति बनाने और लागू करने के जिम्मेदार थे, लेकिन अदालत ने कहा कि उनके शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला और न ही उनके खिलाफ कोई बरामदगी हुई। साथियों बात अगर हम न्यायिक प्रक्रिया बनाम राजनीतिक परिणाम इसको समझने की करें तो इस प्रकरण ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया?क्या न्यायिक आरोप और राजनीतिक परिणामों के बीच कोई संतुलन होना चाहिए?आरोपों के दौरान व्यापक मीडिया कवरेज, 24 घंटे की बहसें,और चुनावी वातावरण में आरोपों की पुनरावृत्ति ने सार्वजनिक धारणा को प्रभावित किया। यदि बाद में अदालत आरोपों को खारिज कर दे, तो क्या पूर्व में हुई राजनीतिक और सामाजिक क्षति की भरपाई संभव है? लोकतंत्र में आरोप लगाना और उनकी जांच होना सामान्य प्रक्रिया है,परंतु यदि जांच की गुणवत्ता कमजोर हो और आरोप सिद्ध न हों, तो राजनीतिक जीवन पर उसका प्रभाव असमानुपाती हो सकता है। यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं; विश्व के अनेक लोकतंत्रों में भी अभियोजन और राजनीतिक शक्ति के संतुलन पर हमेशा बहस होती रही है।निर्दोष व्यक्ति की क्षतिः सामाजिक आर्थिक और नैतिक आयामयदि कोई व्यक्ति लंबी अवधि तक जेल में रहता है और अंततः बरी हो जाता है, तो उसकी क्षतिबहु-आयामी होती है। (1) सामाजिक क्षतिःसमाज में बदनामी,रिश्तों में दरार, और सार्वजनिक छवि का ह्रास।(2) आर्थिक क्षतिःआय का नुकसान कानूनी खर्च,संपत्ति का अवमूल्यन। (3) मानसिक आघातः अवसाद, तनाव, और दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक प्रभाव। (4) राजनीतिक प्रभावः यदि आरोपी सार्वजनिक पद पर हो, तो चुनावी हार या पद से हटना।इन सबकी भरपाई केवल "बरी" शब्द से नहीं हो सकती।भारत में ऐसा कोई समग्र केंद्रीय कानून नहीं है, यद्यपि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के उल्लंघन पर न्यायालय क्षतिपूर्ति दे सकते हैं। साथियों बात अगर हम क्या अभियोजन पर दंडात्मक लागत लगनी चाहिए? इसको समझने की करें तो एक महत्वपूर्ण नीति प्रश्न यह है कि यदि अभियोजन बार-बार अपील करता है और हर स्तरपर असफल होता है,तो क्या उस पर दंडात्मक लागत लगाई जानी चाहिए? इससे दो संभावित लाभ हो सकते हैंः(1) अनावश्यक या कमजोर मामलों में अपील की प्रवृत्ति घटेगी।(2) जांच एजेंसियाँ अधिक जिम्मेदारी और गुणवत्ता के साथ आरोपपत्र दाखिल करेंगी।हालाँकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि अपील का अधिकार न्यायिक प्रणाली का अभिन्न अंग है।अतः संतुलन आवश्यक है, दुरुपयोग पर रोक,परंतु न्याय पाने के अवसर का संरक्षण होना चाहिए। साथियों बात अगर हम जांच एजेंसियों की जवाबदेही को समझने की करें तो,जब अदालत यह कहे कि साजिश की थ्योरी अनुमान पर आधारित थी, तो यह जांच की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न है। यदि जांच अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच का आदेश दिया गया है, तो यह संकेत है कि न्यायालय जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहता है।नीति निर्धारकों को विचार करना चाहिएः (1) क्या जांच अधिकारियों के लिएस्वतंत्र निगरानी तंत्र हो?(2)क्या अभियोजन स्वीकृति से पूर्व स्वतंत्र विधिक समीक्षा अनिवार्य हो? (3) क्या राजनीतिक संवेदनशील मामलों में विशेष न्यायिक पर्यवेक्षण हो? साथियों बात अगर हम मीडिया ट्रायल और सार्वजनिक धारणा इसको समझने की करें तो,आज के डिजिटल युग में मीडिया ट्रायल वास्तविक न्याय से पहले ही सामाजिक निर्णय सुना देता है। यदि बाद में अदालत आरोपों को खारिज कर दे, तो क्या मीडिया उसी तीव्रता सेनिर्दोषता का प्रचार करता है?मीडिया की स्वतंत्रता लोकतंत्र का स्तंभ है, परंतु प्रसमप्शन ऑफ़ इनोसेंस (निर्दोष मान्यता) सिद्धांत की रक्षा भी उतनी ही सटीक आवश्यक है।जितनी क़ि क्षतिपूर्ति की संभावित नीति रूपरेखा। साथियों बात अगर हम नीति निर्धारकों के लिए कुछ ठोस सुझावों को समझने की करें तो उन्हें इन कानून को बनाने पर विचार करना चाहिए (1)राष्ट्रीय क्षतिपूर्ति कानूनःनिर्दोष सिद्ध व्यक्तियों के लिए प्रति वर्ष कारावास पर निश्चित राशि।(2)कानूनी खर्च की प्रतिपूर्तिः राज्य द्वारा संपूर्ण कानूनी व्यय की भरपाई। (3) प्रतिष्ठा पुनर्स्थापन आयोगः सार्वजनिक रूप से निर्दोषता की घोषणा और रिकॉर्ड शुद्धिकरण।(4) मानसिक स्वास्थ्य सहायताः दीर्घकालिक परामर्श और पुनर्वास कार्यक्रम। (5) अभियोजन जवाबदेही अधिनियमः दुर्भावनापूर्ण या लापरवाह अभियोजन पर दंड।(6) अपीलों की अनंत श्रृंखलाः क्या सीमा होनी चाहिए?यदि हर स्तर परअपील और पुनरीक्षण चलता रहे,तो मुकदमा दशकों तक लंबित रह सकता है इसलिएः अपील की समय-सीमा तय हो।निराधार अपील पर लागत।,संवैधानिक पीठ द्वारा शीघ्र निस्तारण।,संविधान और न्यायपालिका पर विश्वास-बरी होने के बाद दिए गए वक्तव्यों में संविधान और न्यायपालिका पर विश्वास व्यक्त कियागयाहालांकि अपीलों और अन्य प्रक्रियाओं के संबंध में अनेक नियम बने हुए हैं फिर भी उनमें कुछ संशोधन की आवश्यकता है,यह लोकतंत्र की शक्ति है कि अंततः न्यायिक प्रक्रिया आरोपों को परखती है। परंतु यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि प्रक्रिया स्वयं न्यायसंगत, त्वरित और सटीक स्तर पर उत्तरदायी हो। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे कोअंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझने की करें तो क्षतिपूर्ति की व्यवस्थाएँ कई देशों में रॉंगफुल प्रोसेक्युशन या मिस्कैरिज ऑफ़ जस्टिस के मामलों में क्षतिपूर्ति की व्यवस्था है।उदाहरण के लिएःयूनाइटेड किंगडमः क्रिमिनल जस्टिस एक्ट के अंतर्गत निर्दोष सिद्ध होने पर मुआवजा।संयुक्त राज्य अमेरिकाः कई राज्यों में प्रति वर्ष कारावास के लिए निश्चित राशि का प्रावधान।कनाडाः संघीय स्तर पर विशेष समझौते के माध्यम से क्षतिपूर्ति। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि न्याय केवल निर्णय नहीं, पुनर्स्थापन भी है,दिल्ली आबकारी नीति प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया कि न्यायिक प्रक्रिया केवल दोष या निर्दोष तय करने का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य और नागरिक के बीच विश्वास का आधार है।यदि कोई व्यक्ति वर्षों तक कारावास झेलने के बाद निर्दोष सिद्ध होता है,तो केवल "बरी" शब्द पर्याप्त नहीं।न्याय का अर्थ है,समय पर निष्पक्ष सुनवाई,गुणवत्तापूर्ण जांच,और निर्दोष के लिए पूर्ण पुनर्स्थापन।नीति निर्धारकों के लिए यह समय है कि वे एक सशक्त क्षतिपूर्ति और जवाबदेही तंत्र विकसित करें, जिससे भविष्य में किसी भी नागरिक को अनावश्यक रूप से जीवन का बहुमूल्य समय न गंवाना पड़े। न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता तभी सुदृढ़ होगी जब वह त्रुटि होने पर उसे स्वीकार कर, उसकी भरपाई की स्पष्ट और प्रभावी व्यवस्था भी सुनिश्चित करे।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन

लेखक - संजय गोस्वामी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2026 को पूरे भारत में मनाया जाता है । यह दिवस 1928 में भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज की याद में मनाया जाता है जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला था । दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अनुप्रयागों (applications) के महत्व को रेखांकित करना ,यह दिवस भारत के तकनीकी विकास और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करने का एक राष्ट्रव्यापी प्रयास है स्कूलोंकॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों में विज्ञान प्रदर्शनियांक्विज और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं 28 फरवरी 1928 को सी.वी. रमन ने रमन प्रभाव की खोज की थीजिसने भारतीय विज्ञान को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया इस वर्ष के आयोजन का उद्देश्य विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। इसका मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना और हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलानाभारत को दूसरा सी.वी. रमन नहीं मिल सकता है- किंतु सी.वी. रमन के जीवन से सीख हासिल कर रमन परंपरा अथवा वैज्ञानिक खोजों को आगे बढ़ाया जा सकता है। "जितनी जल्दी नई पीढ़ी के प्रेरणास्त्रोत वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, सैनिक और किसान बनने लगेंगे उतनी जल्दी भारत विकसित देशों की सूची में शामिल होगा।" हमें समझना पड़ेगा कि - कोई भी अनुसंधान करने में कठिन परिश्रम और लगन की आवश्यकता होती है, कीमती उपकरण की नहीं। सी.वी. रमन कहते हैं - "हमेशा सही सवाल पूछें, फिर देखना प्रकृति अपने सभी रहस्यों के द्वार खोल देगी।" वे ये भी कहते हैं कि "शिक्षा का उद्देश्य लोगों को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपने स्वयं के निर्णय लेने के लिये सक्षम बनाना है।" उनके विचार से यही प्रतीत होता है कि सी.वी. रमन सीखने-सिखाने व तर्कसंगत सवाल करने के पक्षधर थे। विज्ञान और वैज्ञानिक क्यों व कैसे में न पड़ें तो खोज व आविष्कार कैसे हो पाएगा? शिक्षा को मनुष्य की सबसे बड़ी ज़रूरत मानने वाले सी वी रमन का पूरा नाम 'चंद्रशेखर वेंकटरमन' था। खोजी प्रवृत्ति के धनी सी. वी. रमन ने वर्ष 1930 में भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जीता। श्री रमन द्वारा जीते गए नोबेल पुरस्कार ने भारतीय वैज्ञानिक समुदाय की ओर पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया।दरअसल इस संसार में इंसान अपने कार्यों से प्रभाव छोड़ता है। उनके प्रभावों से उनकी शख्सियत बनती है। इतिहास गवाह है कि सी.वी. रमन के 'रमन प्रभाव' ने वैश्विक पटल पर इतना उम्दा प्रभाव छोड़ा कि वे हमेशा के लिये महान वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हो गए। भारतरत्न, भौतिकी का नोबेल पुरस्कार, फ्रेंकलिन मेडल, लेनिन शांति पुरस्कार और रॉयल सोसाइटी ने सी.वी. रमन की प्रतिष्ठा व लोकप्रियता में उत्तरोत्तर वृद्धि की। आज दुनिया जिस सी.वी. रमन को जानती है उनके बनने की प्रक्रिया तप-त्याग से होकर गुज़री है।"अपनी नाकामयाबियों के लिये मैं खुद ज़िम्मेदार हूँ, अगर मैं नाकामयाब नहीं होता तो इतना सब कुछ कैसे सीख पाता।" इस विचार के समर्थक सी.वी. रमन का जन्म 7 नवंबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में हुआ था। गणित व भौतिकी का माहौल इन्हें घर ने ही प्रदान किया था। इनके पिता चंद्रशेखर अय्यर गणित व भौतिकी के लेक्चरर थे। उन्हीं से रमन में विज्ञान व शिक्षण के प्रति लगाव पैदा हुआ। और यह लगाव अंतिम साँस तक कायम रहा। होनहार बिरवान के होत चिकने पात! बालक सी.वी. रमन का मन विज्ञान में खूब रमता था। वे बचपन में खेल-खेल में प्रयोग किया करते थे। विद्यालय और छात्रावास में अपने सहपाठियों के साथ जबकि घर में भाई-बहनों के साथ विज्ञान के छोटे-छोटे प्रयोग में मशगूल रहना उनकी दिनचर्या का मूल हिस्सा बन गया था। सभी घटनाओं में वे कार्य-कारण सिद्धांत को लागू किया करते थे। अंतिम जवाब मिलने तक वे स्वयं से सवाल किया करते थे। विज्ञान में गहरी रुचि और पिताजी के द्वारा गणित व विज्ञान में किये जा रहे शिक्षण कार्य ने बालक सी.वी. रमन के मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ी। यही वजह है कि वे विज्ञान व गणित की पढ़ाई करने के लिये प्रेरित हुए। प्रतिभाशाली सी.वी. रमन ने बहुत जल्दी स्कूल की पढ़ाई पूरी की, 11 साल की आयु में अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की, 13 साल में अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी की और 16 साल की आयु में स्नातक की डिग्री हासिल की। उन्होंने भौतिकी में गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके बाद मद्रास विश्वविद्यालय से बेहतरीन अंकों के साथ गणित में स्नात्तकोत्तर की डिग्री हासिल की।स्नात्तकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के बाद वे भारतीय वित्त विभाग में नौकरी करने लगे, लेकिन कलकत्ता में 'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस' की प्रयोगशाला में शोध करना जारी रखा। शिक्षण-अधिगम से लगाव रखने वाले सी.वी. रमन ने अपनी सरकारी नौकरी छोड़ दी और वर्ष 1917 में कलकत्ता विश्वविद्यालय में भौतिकी के प्रोफेसर बन गए। सी.वी. रमन के तमाम शोध कार्य इसी कर्मस्थली में संपन्न हुए थे।विज्ञान सी.वी. रमन की रगों में दौड़ता था। यही कारण है कि उनका अधिकतर समय लैब में बीतने लगा। जब लैब में मस्तिष्क थक जाता तब भौतिकशास्त्री सी.वी. रमन संगीत का रुख करते थे। विद्यार्थियों को पढ़ाना, लैब में प्रयोग करना और वीणा में लीन हो जाना उनकी दिनचर्या थी। उन्होंने संसाधनों की कमी को कभी समस्या नहीं माना, उनका कहना था - "गरीबी और निर्धन प्रयोगशालाओं ने मुझे मेरे सर्वोत्तम कार्य करने के लिये और भी दृढ़ता दी।" सी.वी. रमन के अनुसार उनके जीवन का स्वर्ण समय वर्ष 1919 का था जब उन्हें इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 'मानद प्रोफेसर' व 'मानद सचिव' के रूप में दो पद हासिल हुए।सी.वी. रमन ने स्नात्तकोत्तर के दौरान प्रकाश के व्यवहार पर आधारित अपना पहला शोध-पत्र लिखा। उन्होंने अपने एक प्रोफेसर को शोध-पत्र पढ़ने के लिये भेजा लेकिन व्यस्तता के कारण उनके प्रोफेसर शोध-पत्र को नहीं पढ़ पाए! इसके बाद रमन ने एक प्रसिद्ध मैगज़ीन को अपना शोध-पत्र भेज दिया। उनका शोध-पत्र प्रकाशित हुआ और ब्रिटेन के जाने-माने वैज्ञानिक 'बैरन रेले' ने उसे पढ़ा। बैरन रेले गणित और भौतिकी के महान वैज्ञानिक थे। वे रमन के शोध-पत्र से काफी प्रभावित हुए, उन्होंने रमन को पत्र लिखकर उनकी प्रशंसा की। बैरन रेले रमन को प्रोफेसर समझ बैठे थे, उन्होंने रमन को लिखे पत्र में रमन को प्रोफेसर कहकर संबोधित किया था। दरअसल वे शोध-पत्र की मौलिकता एवं निष्कर्ष से इतना प्रभावित हुए थे कि उन्हें लगा- ऐसा शोध-पत्र कोई शानदार प्रोफेसर ही लिख सकता है।सी.वी. रमन की स्पेक्ट्रोस्कोपी का जिक्र डॉ. अर्नेस्ट रदरफोर्ड ने वर्ष 1929 में रॉयल सोसाइटी के अपने अध्यक्षीय भाषण में किया था।

विकाशित भारत यात्रा में आईआईसीटी व ऑरेंज इकोनॉमी का अंनत सम्भावनाएं

लोकतंत्र की शान

विकसित भारत के निर्माण में आईआईसीटी वऑरेंज इकोनॉमी की निर्णायक भूमिका रहेगी। 21वीं सदी के तीसरे दशक में भारत केवल विकास शील राष्ट्र नहीं,बल्कि वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर एक नव जागृत सभ्यता बनकर उभर रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प अब शब्द मात्र नहीं,बल्कि ससक्त शक्ति व नीति,तकनीक और नवाचार में परिवर्तित हो चुका है। विनोद कुमार सिंह,स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व को यह संदेश दिया कि भारत अब डिजिटल युग का अनुयायी नहीं, बल्कि वह दिशा-निर्देशक बनने को तत्पर है।जिसकी झलक हमें विकसित भारत के निर्माण में आईआईसीटी व ऑरेंज इकोनॉमी की निर्णायक भूमिका होगी।21वीं सदी के तीसरे दशक में भारत केवल विकास शील राष्ट्र नहीं,बल्कि वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर एक नव जागृत सभ्यता बनकर उभर रहा है।नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्पअब शब्द मात्र नहीं,बल्कि ससक्त शक्ति व नीति,तकनीक और नवाचार में परिवर्तित हो चुका है।राष्ट् नव निर्माण के यज्ञ में ऑरेंज इकोनॉमी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी)भारत की रचनात्मक शक्ति,सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता और डिजिटल स्वाधीनता के नए स्तंभ बनकर उभर रहे हैं,जो आने वाले समय में देश को वैश्विक ज्ञान-आधारित महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखते हैं।तभी तो भारत चर्चा और चिंतन का केंद्र बना हुआ है।मोदी स्वयं विकास की बागडोर अपने हाथों में संभाल रखी हैं,तो परिवर्तन की गति तीव्र हो जाती है। मोदी के कुशल नेतृत्व में मिशन मोड में विकसित भारत तेजी से अग्रसर है,हाल ही में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित चार दिवसीय 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दौरान देखने को मिला।इस सम्मेलन ने विश्व को एक मंच पर लाकर भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा न केवल प्रस्तुत की,बल्कि भारत की शर्तों और आवश्यकताओं के अनुरूप अनेक समझौतों को भी मूर्त रूप दिया।इससे यह संदेश गया कि भारत जिस आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है,उसमें ज्ञान और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था निरंतर विस्तार पा रही है और यही भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का आधार बनेगी। 21वीं सदी के तीसरे दशक में मोदी सरकार के नेतृत्व में एक नई आर्थिक धारा उभर रही है, जिसे वैश्विक मंच पर "ऑरेंज इकोनॉमी" कहा जाता है।यह अर्थव्यवस्था रचनात्मकता,संस्कृति, डिजिटल मीडिया,मनोरंजन, डिजाइन,गेमिंग और नवोन्मेष पर आधारित है।भारत जैसे युवा और डिजिटल रूप से जुड़ते समाज के लिए यह केवल एक नया उद्योग नहीं,बल्कि आर्थिक और सांस्कृतिक नेतृत्व का अवसर भी है।आज जब दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं ज्ञान आधारित मॉडल की ओर बढ़ रही हैं,तब रचनात्मक उद्योगों की भूमिका पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्रों से कहीं अधिक निर्णायक होती जा रही है। हम आप को आई आई सी टी के परिसर में रू बरूह कराने की कोशिस कर रहे है।सबसे पहले मै आप से आई आई सी टी केनिदेशक मंडल : - संजय जाजू ,आईएएस, आईआईसीटी बोर्ड के अध्यक्ष।सचिव- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार,डॉ.आशीष कुलकर्णी निदेशक -पुनर्युग आर्टविज़न,राजन नवानी- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जेटलाइन ग्रुप ऑफ कंपनीज़, श्रीकर परदेशी मुख्यमंत्री के सचिव,महाराष्ट्र सरकार।मनवेन्द्र शुक्ल-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)लक्ष्य डिजिटल,चंद्रजीत बनर्जी , महानिदेशक-भारतीय उद्योग परिसंघ(सीआईआई),श्रीमती स्वाति म्हसे पाटिल-आईएएस,प्रबंध निदेशक-है।कार्यकारी टीम में डॉ. विश्वास देवस्कर,मुख्य कार्यकारी अधिकारी(आईआईसीटी के सीईओ),निनाद रायकर-मुख्य परिचालन अधिकारी(आईआईसीटी के सीओओ)-टीम सदस्यों के नेतृत्व व निर्देशन कार्य कर रही है। आपको बता दें विगत 19 सितंबर 2024 को भारत सरकार द्वारा एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स,गेमिंग कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की घोषणा 391.15 करोड़ रुपये के बजटीय समर्थन के साथ की गई।यह संकेत था कि नीति-निर्माता रचनात्मक उद्योगों को राष्ट्रीय विकास रणनीति के केंद्र में ला रहे हैं।इसी संदर्भ में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी(आईआईसीटी) की स्थापना एक दूरगामी नीतिगत निर्णय के रूप में देखी जानी चाहिए।सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर आधारित इस संस्थान में फिक्की और सीआईआई जैसे उद्योग

संगठनों की भागीदारी यह दर्शाती है कि सरकार शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को कम करने के लिए सहयोगात्मक ढांचा तैयार कर रही है और कौशल विकास को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ना चाहती है।सर्व विदित रहे कि मुंबई स्थित एनएफडीसी परिसर में 18जुलाई 2025 को आईआईसीटी के संचालन के पहले चरण का उद्घाटन किया गया,जहाँअत्याधुनिक कक्षाओं,हाई-एंड कंप्यूटिंग लैब्स, पोस्ट-प्रोडक्शन स्टूडियो और स्क्रीनिंग थिएटर जैसी सुविधाओं के साथ संस्थान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह केवल एक अकादमिक इकाई नहीं,बल्कि उद्योग-समकक्ष प्रशिक्षण मंच बनना चाहता है। माया नगरी के गोरेगाँव फिल्म सिटी में प्रस्तावित दस एकड़ के स्थायी परिसर में इमर्सिव स्टूडियो,एआर/वीआर/एक्सआर प्रशिक्षण सुविधाएं और वर्चुअल प्रोडक्शन सेट विकसित किए जाने की योजना इस दिशा में एक साहसिक कदम है।यदि यह परियोजना समयबद्ध और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरी होती है,तो यह भारत को वैश्विक क्रिएटिव टेक्नोलॉजी मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र बना सकती है और देश को डिजिटल कंटेंट उत्पादन के वैश्विक हब के रूप में स्थापित कर सकती है।आईआईसीटी की गूगल,मेटा, एनवीआईडीआईए,माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल,एडोबी और डब्ल्यूपीपी जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारियां पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता,तकनीकी अद्यतन और उद्योग संपर्क के लिए महत्वपूर्ण हैं। हालाँकि,भारत को इन साझेदारियों को केवल उपभोक्ता तकनीक के रूप में नहीं,बल्कि तकनीकी सह- विकास और स्वदेशी नवोन्मेष के अवसर के रूप में उपयोग करना होगा,अन्यथा देश केवल वैश्विक टेक कंपनियों के लिए टैलेंट सप्लायर बनकर रह सकता है।यदि भारत इन सहयोगों के माध्यम से स्वदेशी प्लेटफॉर्म, इंजन, सॉफ्टवेयर और कंटेंट फ्रेमवर्क विकसित करता है,तो यह डिजिटल संप्रभुता की दिशा में भी एक बड़ा कदम होगा। इस संस्थान द्वारा प्रस्तावित अठारह विशेषीकृत पाठ्यक्रम और सौ से अधिक छात्रों का नामांकन युवाओं की रुचि को दर्शाता है,किंतु भारत की विशाल जनसंख्या और रोजगार आवश्यकताओं की तुलना में यह संख्या अभी सीमित है।यदि आईआईसीटी को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी बनाना है,तो इसे मॉडल संस्थान के रूप में विकसित कर राज्यों में समान केंद्रों की स्थापना की रणनीति अपनानी होगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म और हाइब्रिड शिक्षा मॉडल के माध्यम से लाखों युवाओं तक इस प्रशिक्षण को पहुंचाया जा सकता है,जिससे भारत वैश्विक डिजिटल श्रम बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेगा।ऑरेंज इकोनॉमी का महत्व केवल आर्थिक नहीं,बल्कि सांस्कृतिक और कूटनीतिक भी है।डिजिटल कंटेंट,फिल्म,गेमिंग और वर्चुअल अनुभव आज देशों की सॉफ्ट पावर के प्रमुख माध्यम बन चुके हैं। कोरियाई पॉप संस्कृति,जापानी एनीमेशन और अमेरिकी फिल्म उद्योग ने अपने देशों को वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव प्रदान किया है। भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कहानी परंपरा के बावजूद अभी तक इस क्षेत्र में संगठित वैश्विक रणनीति विकसित नहीं कर पाया है।आईआईसीटी इस कमी को दूर करने की दिशा में एक संस्थागत प्रयास हो सकता है और भारत की सभ्यतागत कथा को वैश्विक डिजिटल मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम बन सकता है। रोजगार के संदर्भ में जहाँ प्रशन है तो मै स्पष्ट कर दुँ कि एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र भविष्य के सबसे बड़े अवसरों में से एक है।ओटीटी प्लेटफॉर्म,गेमिंग,डिजिटल विज्ञापन,शिक्षा,स्वास्थ्य,रक्षा सिमुलेशन और मेटावर्स जैसे क्षेत्रों में रचनात्मक तकनीकी विशेषज्ञों की माँग बढ़ रही है।यह क्षेत्र पारंपरिक उद्योगों की तुलना में अधिक लचीला,वैश्विक और डिजिटल है,जहाँ भौगोलिक सीमाएं कम होती हैं और फ्रीलांस तथा रिमोट वर्क के माध्यम से वैश्विक बाजार से जुड़ने के अवसर उपलब्ध होते हैं।भारत के लिए यह विदेशी मुद्रा अर्जन,डिजिटल निर्यात और वैश्विक पहचान का नया मार्ग खोल सकता है,साथ ही ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं को भी वैश्विक अवसरों से जोड़ सकता है।हालॉकि, इस उज्ज्वल भविष्य के साथ कुछ नीतिगत चुनौतियां भी जुड़ी हैं।गुणवत्ता और पैमाने की चुनौती, समावेशन की आवश्यकता और बौद्धिक संपदा तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम का सुदृढ़ीकरण प्रमुख मुद्दे हैं।यदि आईआईसीटी में इनक्यूबेट हो रहे स्टार्टअप्स को नीति समर्थन,वित्त पोषण और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलती है, तो भारत क्रिएटिव टेक्नोलॉजी इनोवेशन का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इसके साथ ही मजबूत कॉपी राइट,पेटेंट और कंटेंट राइट्स फ्रेमवर्क की आवश्यकता होगी, ताकि भारतीय रचनाकारों को उनके बौद्धिक श्रम का उचित लाभ मिल सके।आईआईसीटी के संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि रचनात्मक अर्थव्यवस्था को केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित न रखा जाए। एआर/वीआर और गेमिंग तकनीकें शिक्षा,स्वास्थ्य रक्षा,पर्यटन और स्मार्ट सिटी जैसे क्षेत्रों में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती हैं। यदि संस्थान इन क्षेत्रों के लिए इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च और प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करता है,तो यह व्यापक डिजिटल अर्थ व्यवस्था का भी केंद्र बन सकता है तथा राष्ट्रीय विकास के बहु आयामी मॉडल को गति दे सकता है।भारत की जनसांख्यिकी संरचना इस समय निर्णायक मोड़ पर है।युवा जनसंख्या भारत के लिए अवसर भी है और चुनौती भी।यदि युवाओं को रोजगार और कौशल नहीं मिला,तो यह सामाजिक और आर्थिक बोझ बन सकती है।ऑरेंज इकोनॉमी इस चुनौती को अवसर में बदलने का माध्यम बन सकती है और आईआईसीटी जैसे संस्थान इस प्रक्रिया के अग्रदूत हो सकते हैं, बशर्ते इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार और दीर्घकालिक नीति समर्थन मिले।अततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी को केवल एक शैक्षणिक परियोजना के रूप में नहीं,बल्कि भारत की नई आर्थिक रणनीति के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए।जिस प्रकार से आईआईटी और आईआईएम ने भारत की तकनीकी और प्रबंधन पहचान बनाई,उसी प्रकार आईआईसीटी भारत को रचनात्मक तकनीक और डिजिटल मनोरंजन के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिला सकता है।ऑरेंज इकोनॉमी भारत के लिए प्रगति का एक नया पथ खोल रही है-एक ऐसा पथ जो प्राकृतिक संसाधनों पर नहीं,बल्कि मानव रचनात्मकता और डिजिटल नवोन्मेष पर आधारित है। आईआईसीटी विकाश पथ की पहली आधारशिला होगी,वही अगर यह प्रयोग सफल होता है,तो भारत वैश्विक डिजिटल संस्कृति और क्रिएटिव टेक्नोलॉजी का निर्माता बन सकता है।यही भारत की विकास यात्रा का अगला अध्याय हो सकता है।

अर्जेंटीना में होगी संग्राम सिंह की एमएमए फाइट

फ्रांस के युवा फाइटर से मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमएमए खेल आइकन संग्राम सिंह के अर्जेंटीना की जमीन पर अपनी अगली फाइट की खबर के साथ ही वहां समुराई फाइट हाउस के अध्यक्ष मार्टिन पाकसियार्ज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे इलाके में रविवार, पांच अप्रैल को उनका फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोंटेइरो से होने वाला मुकाबला मुख्य आकर्षण रहने वाला है, जहां युवा जोश और जुनून के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। संग्राम सिंह इस दिन रूब्रके समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) के मुख्य मुकाबले में उतरने वाले हैं। किसी भारतीय एमएमए फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

अर्जेंटीना से आया संग्राम पर बड़ा बयान – मार्टिन

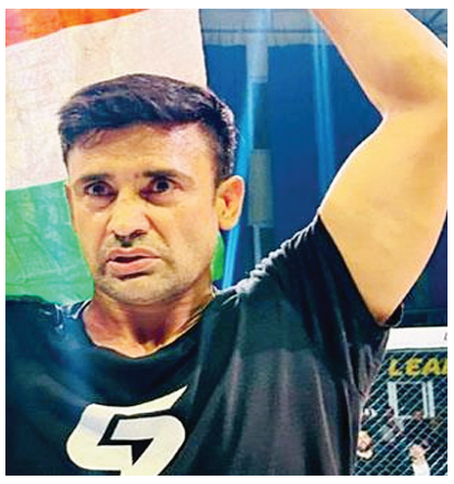

पाकसियार्ज ने कहा कि जॉर्जिया और नीदरलैंड के एम्सटर्डम में संग्राम ने एमएमए की कला में जो जलवा दिखाया है, उससे अर्जेंटीना के लोगों में उनको लेकर जबरदस्त उत्साह है। वहां के लोग यह भी जानने को उत्सुक हैं कि जहां मिट्टी और गद्दे की कुश्ती खूब चर्चा का विषय बनती हो, वहां से इन दोनों तरह की कुश्ती करने वाले संग्राम सिंह ने एमएमए में कैसे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और उम्र के 40 के पड़ाव को पार करने के बाद भी कोई कैसे एमएमए में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। वह भारत में इस खेल के एम्बेसडर हैं। उनकी इस फील्ड में कामयाबी से भारत में भी इस खेल को अलग पहचान मिली है। अर्जेंटीना में संग्राम सिंह की मौजूदगी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

मैट का अनुभव काम आया

पूर्व प्रोफेशनल रेसलर से मिक्स्ड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने एमएमए की शुरुआत की तो हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानगी जाहिर की थी कि रेसलिंग और एमएमए अलग दुनिया हैं लेकिन उन्हें विश्वास था कि मैट पर सीखा गया अनुशासन, फिटनेस और योद्धा की तरह जुझारूपन से वह एमएमए के मंच पर भी खुद को साबित करने में सफल रहेंगे। उनके हर मुकाबले से उनकी खेल कौशल (स्किल) में सुधार हुआ है।

अब तक का सबसे बड़ा मंच – संग्राम सिंह ने कहा कि नीदरलैंड और जॉर्जिया की फाइट ने उन्हें पहले से ज्यादा मैच्योर और संपूर्ण फाइटर बनाने में मदद की है और अब अर्जेंटीना उनके सफर का अगला पड़ाव है।

भारत ने दूसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया

- एक इनिंग में हाईएस्ट सिक्स भी लगाए, दोनों टीमों ने मिलकर 440 रन बनाए

चेन्नई (एजेंसी)। गुरुवार को टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसी के साथ एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कर लिया। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में दोनों टीमों ने मिलकर 440 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे ने भी दम दिखाया, लेकिन टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी। भारत ने मैच 72 रन से अपने नाम किया।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया- भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा टोटल बना दिया। टीम ने 4 विकेट खोकर 256 रन बना डाले।

भारत से आगे सिर्फ श्रीलंका है, जिसने 2007 में केन्या के खिलाफ 260 रन बनाए थे।

भारत ने एक टी-20 वर्ल्ड कप इनिंग में 17 सिक्स लगाए- भारत ने 17 सिक्स लगाए, जो किसी एक वर्ल्ड कप पारी में टीम के सबसे ज्यादा सिक्स हैं। इससे पहले भारत ने 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 15 सिक्स लगाए थे। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत अब तक 63 छक्के लगा चुका है, जो किसी एक एडिशन में उसका बेस्ट प्रदर्शन भी है। इस मामले में सिर्फ वेस्टइंडीज (66) भारत से आगे है।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में 5वीं बार 200+ टोटल बनाया- भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 256 रन बनाकर टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में 5वीं बार 200+ स्कोर का आंकड़ा पार किया।

- **हार्दिक नंबर-5 या उससे नीचे सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले प्लेयर-** मिडिल-ऑर्डर और फिनिशर रोल में भारत के हार्दिक पांड्या का रिकॉर्ड टी-20 वर्ल्ड कप में बेहद शानदार रहा है। नंबर-5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 4 अर्धशतक लगाए हैं, जो इस पोजिशन पर किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। उनसे पहले डेविड मिलर, शोएब मलिक और मार्कस स्टोयनिस ने 3-3 हाफ सेंचुरी लगाई हैं।
- **जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे बड़ा पावरप्ले टोटल बना-** जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर बन गया है। भारत ने शुरुआती 6 ओवर में 80 रन बना दिए। यह ओवरऑल भारत का वर्ल्ड कप में तीसरा सबसे बड़ा पावरप्ले टोटल भी है। इसी वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ 86/1 रन बनाकर भारत ने बेस्ट पावरप्ले टोटल दर्ज किया था।

टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा हाईएस्ट एग्रीगेट स्कोर बना

भारत और जिम्बाब्वे के बीच कुल 440 रन बने, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा मैच एग्रीगेट है। इस लिस्ट में टॉप पर 2016 में वानखेड़े में खेला गया साउथ अफ्रीका बनाम इंग्लैंड मुकाबला है, जिसमें 459 रन बने थे। दिलचस्प बात यह है कि 2007 के पहले वर्ल्ड कप में भी भारत और इंग्लैंड के बीच 418 रन बने थे, जो आज भी टॉप हाई-एग्रीगेट मैचों में शामिल है।

वेस्टइंडीज की हार से भारत की राह आसान

अब विंडीज को ही आखिरी मैच हराना होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार का दिन भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा। साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हरा दिया, वहीं टीम इंडिया ने आखिरी मुकाबले में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। इन नतीजों से वेस्टइंडीज और भारत के बीच होने वाला मुकाबला नॉकआउट की तरह हो गया। 1 मार्च को कोलकाता में यह मैच होगा, जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी, वहीं हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी।

ग्रुप-2: न्यूजीलैंड जीता तो पाकिस्तान बाहर

ग्रुप-2 में इंग्लैंड ने 2 मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम आज न्यूजीलैंड के खिलाफ भिड़ेगी। न्यूजीलैंड अगर जीता तो ग्रुप में नंबर-1 पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बना लेगा। वहीं इंग्लैंड जीता तो टीम टॉप पर फिनिश करेगी और ग्रुप-1 में नंबर-2 पर रहने वाली टीम से सेमीफाइनल खेलेगी। न्यूजीलैंड की हार से पाकिस्तान को फायदा मिलेगा। क्योंकि हारने के बाद कीवी टीम 3 पॉइंट्स पर अटक जाएगी। 28 फरवरी को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच होगा। पाकिस्तान जीता और उनका रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर रहा तो टीम नॉकआउट में पहुंच जाएगी। अगर जीतने के बाद भी पाकिस्तान का रन रेट न्यूजीलैंड से खराब रहा तो कीवी टीम नॉकआउट में एंट्री कर लेगी। श्रीलंका जीता तो भी पाकिस्तान बाहर होगा और आज हारने पर भी न्यूजीलैंड क्वालिफाई कर जाएगा।

गणित

ग्रुप-1

सा. अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचा

साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 स्टेज में लगातार 2 मैच जीत लिए। टीम 4 पॉइंट्स के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गई। जिम्बाब्वे दूसरी हार के बाद नॉकआउट की रेस से बाहर हो गई। अब जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के बीच 1 मार्च को मुकाबला होगा। साउथ अफ्रीका जीतकर ग्रुप-1 में टॉप पर फिनिश कर सकता है। वहीं जिम्बाब्वे जीतकर साउथ अफ्रीका को नंबर-2 पर खिसका सकता है। वेस्टइंडीज को साउथ अफ्रीका ने हरा दिया। इससे भारत और विंडीज के पास सुपर-8 में 1 जीत और 1 हार हो गई।

आज पाकिस्तान की नजर बड़ी जीत पर, सम्मानजनक विदाई लेना चाहेगा श्रीलंका

पाल्लेकल (एजेंसी)। अगर मगर की कठिन डगर पर फंसा पाकिस्तान सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखने के लिए शनिवार को यहां वाले टी20 विश्व कप सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगा जबकि संघर्षरत श्रीलंका सम्मानजनक विदाई लेने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

पाकिस्तान का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है और वह अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर है। इस ग्रुप से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है जबकि न्यूजीलैंड और पाकिस्तान अंतिम चार में जगह बनाने की होड़ में हैं। श्रीलंका अपने पहले दो मैच हार कर पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। अगर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की बात करें तो कीवी टीम बेहतर स्थिति में नजर आ रही है। न्यूजीलैंड के तीन अंक हैं और उसका नेट रन रेट (3.050) भी पाकिस्तान से बेहतर है। पाकिस्तान का अभी तक केवल एक अंक है और उसका नेट रन रेट भी माइनस 0.461 है। लेकिन पाकिस्तान के लिए अभी सारी उम्मीदें खत्म नहीं हुई हैं।

क्रिकेटर रिंकू के पिता का निधन

हुआ अंतिम संस्कार, बड़े बेटे सोनू ने मुखाग्नि दी

नोएडा (एजेंसी)। क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार सुबह करीब 4.36 बजे निधन हो गया है। वे 60 साल के थे। उन्हें फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर था। कुछ दिन पहले उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें अलीगढ़ से ग्रेटर नोएडा के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। वहां उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। यथार्थ हॉस्पिटल-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा ने

रिंकू के पिता के निधन की पुष्टि की है। अंतिम यात्रा के बाद शंकर विहार स्थित श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे सोनू ने पिता को मुखाग्नि दी।

पिता ने कंधे पर सिलेंडर ढोकर बेटे को बनाया 'सिक्सर किंग'- भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए सितारे रिंकू सिंह के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके पिता, खानचंद सिंह, का निधन हो गया है। रिंकू के पिता ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझते हुए उन्होंने ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में अंतिम सांस ली। बीते कुछ दिनों से रिंकू के पिता लीवर कैंसर के कारण वेंटिलेटर पर जीवन की जंग लड़ रहे थे। क्रिकेटर बनने से पहले रिंकू सिंह का जीवन काफी सादा था। उनके पिता सिलेंडर डिलीवरी का काम करते थे। अलीगढ़ के एक साधारण परिवार से आने वाले खानचंद सिंह की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है। उन्होंने वर्षों तक घरों में एलपीजी सिलेंडर पहुँचाने का काम किया ताकि उनके बच्चों की जरूरतें पूरी हो सकें। एक समय ऐसा था जब खानचंद सिंह महीने में बमुश्किल 7 से 8 हजार रुपये कमा पाते थे और परिवार पर 5 लाख रुपये का कर्ज भी था। लेकिन तंगहाली के बावजूद उन्होंने रिंकू के क्रिकेट प्रेम को दबने नहीं दिया।

मार से लेकर समर्थन तक का सफर

रिंकू सिंह ने अपने करियर की शुरुआत में पिता की नाराजगी भी झेली। साल 2012 में क्रिकेट खेलने को लेकर उन्हें पिता से मार भी खानी पड़ी थी। हालांकि, उसी साल जब रिंकू ने एक टूर्नामेंट में इनाम के तौर पर बाइक जीती, तो पिता का नजरिया बदल गया। उसी बाइक का इस्तेमाल खानचंद सिंह ने बाद में सिलेंडर डिलिवरी के काम में भी किया। रिंकू के भाइयों ने भी परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ऑटो चलाने से लेकर कोचिंग संस्थान में काम करने तक की जिम्मेदारी निभाई।

सफलता के शिखर पर भी नहीं भूला फर्ज

आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ जुड़ाव और फिर गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार 5 छक्के लगाने के बाद रिंकू की किस्मत बदल गई। करोड़ों के अनुबंध मिलने के बाद रिंकू ने सबसे पहले अपने पिता का सपना पूरा किया।

व्यापार

तेजस नेटवर्क्स का शेयर बना रॉकेट, 400 के पार पहुंचा दाम, मिला है बड़ा ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर शुक्रवार को 8 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 403.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में 2 दिन में 25 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। तेजस नेटवर्क्स को जापान की कंपनी एनईसी कॉरपोरेशन से बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला है। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। तेजस नेटवर्क्स के शेयर शुक्रवार को बीएसई इंट्रा डे में 8 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 403.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में 2 दिन में 25 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। तेजस नेटवर्क्स को जापान की कंपनी एनईसी कॉरपोरेशन से एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला है। यह कॉन्ट्रैक्ट 5 प्रतिशत मैसिव मिमो रेडियो की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई के लिए है। हालांकि, तेजस नेटवर्क्स ने इस एग्रीमेंट की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया है। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर दो दिन में 25 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। तेजस नेटवर्क्स के शेयर 25 फरवरी 2026 को 319.05 रुपये पर बंद हुए थे।

भारतीय कंस्ट्रक्शन सेक्टर भी होगा आधुनिक, अडानी सीमेंट ने नारेडको से मिलाया हाथ

रियल एस्टेट के कामगारों को मिलेगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्र निर्माण में बढ़ती कंस्ट्रक्शन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी सीमेंट ने नारेडको से एक समझौता किया है। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट कार्उंसिल देश में रियल एस्टेट सेक्टर का प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष निकाय है।

नारेडको और अडानी सीमेंट की तरफ से यहां जारी एक बयान के मुताबिक यह साझेदारी भारत की तेजी से बढ़ती निर्माण आवश्यकताओं को समर्थन देने के लिए है। इसके साथ ही 'विकसित भारत 2047' के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को योगदान देने के विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है।

बयान के मुताबिक यह साझेदारी देशभर में आवासीय, वाणिज्यिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में गुणवत्ता, पर्यावरण अनुकूल उपायों और बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए की गई है। इसके अंतर्गत रियल एस्टेट सेक्टर में काम करने वाले कामगारों यथा राजमिस्त्रियों और कंस्ट्रक्शन मजदूरों के लिए संयुक्त रूप से कौशल विकास और प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इससे इस सेक्टर के वर्कफोर्स आधुनिक तकनीकों, सुरक्षा मानकों और बदलते उद्योग मानकों से लैस हो सकेंगे।

मोदी सरकार बांट रही क्रेडिट कार्ड, यूपीआई से है लिंक्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की कई योजनाएं हैं जिसके तहत लाभार्थियों को क्रेडिट कार्ड दिया जता है। ऐसी ही एक योजना- पीएम स्वनिधि है। इस योजना के तहत सरकार क्रेडिट कार्ड देती है। आइए योजना की डिटेल जान लेते हैं। पीएम स्वनिधि योजना की शुरुआत कोरोना काल में हुई थी। योजना का मकसद महामारी के दौरान उत्पन्न वित्तीय संकटों से उबरने तथा प्रभावित व्यवसायों को फिर से शुरू करने में रेहड़ी-फ्टपरी विक्रेताओं की सहायता करना था। बता दें कि योजना की ऋण अवधि 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना के लिए कुल परिव्यय 7,332 करोड़ है। पुनर्गठित योजना के अंतर्गत 1.15 करोड़ लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के पहले चरण में पहले 10 हजार रुपये का लोन दिया जाता था लेकिन अब लोन की रकम को 10,000 से बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया है। वहीं, दूसरे चरण का लोन 20,000 से बढ़ाकर 25,000 जबकि तीसरे चरण में लोन की राशि को बाकर 50,000 किया गया है। यूपीआई से जुड़ा रुपे क्रेडिट कार्ड रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को अचानक सामने आने वाली व्यावसाय से जुी अथवा व्यक्तिगत जरूरतों की पूर्ति के लिए तत्काल ऋण सुविधा प्रदान करेगा।

- सरकार का प्लान है कि देश की ऊर्जा जरूरतों के लिए 90 दिनों तक का तेल भंडार रहे

90 दिनों का कोटा रहेगा पूरा, ऊर्जा सुरक्षा के लिए समुद्र मंथन करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल के भंडार को लेकर सरकार अपना प्लान बदल रही है। ऊर्जा सुरक्षा के लिए सरकार अब समुद्र मंथन करेगी। सरकार का प्लान है कि देश की ऊर्जा जरूरतों के लिए 90 दिनों तक का तेल भंडार रहे। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक हालात और कच्चे तेल की आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच भारत सरकार ने तीन-स्तरीय रणनीति तैयार की है।

सूत्रों के मुताबिक इस रणनीति में 6 मिलियन मीट्रिक टन अतिरिक्त रणनीतिक तेल भंडार बनाना, 'समुद्र मंथन' नाम से राष्ट्रीय गहरे समुद्र अन्वेषण मिशन शुरू

करना और देश को ग्लोबल रिफाइनिंग व पेट्रोकेमिकल हब के रूप में विकसित करना शामिल है। इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए कैबिनेट नोट तैयार किए जा रहे हैं और मई-जून तक मंजूरी मिलने का लक्ष्य है। वर्तमान में भारत के पास लगभग 5.33 एमएमटी रणनीतिक कच्चा तेल भंडार है, जो करीब 10 दिनों के आयात के बराबर है। इसके अलावा ओडिशा के चांदीखोल और कर्नाटक के पडुर में बन रहे वाणिज्यिक-सह-रणनीतिक भंडार (करीब 11.83 एमएमटी, यानी 20-25 दिन) और रिफाइनरियों में मौजूद लगभग 55 दिन का स्टॉक मिलाकर कुल भंडारण क्षमता करीब 80 दिनों की है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय 30 जून तक कैबिनेट से 6 एमएमटी अतिरिक्त भंडार बनाने की मंजूरी मांग सकता है। लक्ष्य 90 दिन का रणनीतिक तेल भंडार तैयार करना है।

सभी मौजूदा और आगामी एलएनजी टर्मिनलों के लिए 10 दिन का रणनीतिक गैस भंडार बनाने की योजना भी एजेंडे में है।

ऊर्जा सुरक्षा मिशन का दूसरा प्रमुख स्तंभ घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन बढ़ाना है।

विकसित भारत 2047 की यात्रा में महिलाएं केंद्रीय सूत्रधार, बोलीं डॉ प्रीति अदाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने नई दिल्ली में आयोजित सशक्त नारी, विकसित भारत सम्मेलन में महिलाओं को विकसित भारत 2047 की परिकल्पना का मुख्य आधार बताया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की उपस्थिति में उन्होंने जोर दिया कि वास्तविक सशक्तिकरण केवल एक संकल्पना नहीं है, बल्कि यह संसाधनों तक आसान पहुंच और महिलाओं की सतत आर्थिक भागीदारी से जुड़ा विषय है।

अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने भारत के विकसित भारत 2047 की यात्रा में महिलाओं को केंद्रीय सूत्रधार बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने सशक्त नारी, विकसित भारत सम्मेलन में कहा कि महिलाओं की आर्थिक क्षमता विकसित भारत की परिकल्पना का केंद्रबिंदु है। यह सम्मेलन नई दिल्ली में चिंतन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा 26 फरवरी 2026 को आयोजित किया गया था। डॉ. अदाणी ने महिला व बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी का स्वागत करते हुए महिला नेतृत्व वाले विकास के पीछे की नीतिगत गति को स्वीकार किया। उन्होंने संकल्पना से आगे बढ़कर सतत आर्थिक भागीदारी की ओर बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने जोर दिया कि सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच से होती है। अदाणी समूह की सामाजिक कल्याण शाखा, फाउंडेशन की आरे से समर्थित पहलों के माध्यम से कृषि, डेयरी, स्वास्थ्य और उद्यम के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर परिणाम प्राप्त हुए हैं। सरल कृषि मोबाइल एप्लिकेशन से परिचित कराया गया है, जिससे उन्हें सिंचाई, उर्वरक उपयोग और मंडी मूल्य ट्रैकिंग में मार्गदर्शन मिलता है। इससे उच्च उत्पादकता और मजबूत आय प्राप्त हुई है। दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 3,500 से अधिक महिलाएं प्रतिवर्ष 75 लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रहण करती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)